दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 316 | ग्वालियर, बुधवार 23 दिसम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

फ्लाइट के जरिए लंदन से दिल्ली पहुंचे 6 यात्रियों में मिला कोविड-19 वायरस

नई दिल्ली। एयर इंडिया की लंदन-दिल्ली फ्लाइट में यात्रा कर भारत पहुंच रहे छह यात्री कोविड-19 वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। फ्लाइट सोमवार रात करीब 11.30 बजे दिल्ली पहुंची थी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर पांच यात्रियों को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। एक यात्री, जिसने चेन्नई के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट ली थी, उसका वहां टेस्ट किया गया और वह पॉजिटिव पाया गया। सरकार ने सोमवार को कहा था कि ब्रिटेन-भारत की सभी उड़ानों को 23 दिसंबर से 31 दिसंबर तक निलंबित कर दिया जाएगा ताकि देश में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन को फैलने से रोका जा सके। सरकार ने यह भी कहा कि सोमवार और मंगलवार को ब्रिटेन से आने वाले सभी यात्रियों का हवाईअड्डों पर आगमन पर अनिवार्य रूप से कोरोना टेस्ट किया जाएगा। बता दें कि ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन मिलने के बाद लंदन से भारत आ रहे यात्रियों को विमानों से उतरने पर ही अलग-अलग किया जा रहा है। इसके साथ ही ब्रिटेन से आए सभी लोगों की आरटीपीसीआर जांच भी की जा रही है। सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह दो फ्लाइटों में करीब 470 यात्री दिल्ली आए हैं। अब तक 250 से अधिक यात्रियों की जांच हो चुकी है, जिनमें से यात्री व क्रू मेंबर समेत 5 पॉजिटिव मिले हैं। लोगों में भय न हो इसके लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर चॉकलेट देकर उनका स्वागत किया गया। सामान्य माहौल देने की कोशिश के बीच यात्रियों की आवाजाही के लिए अलग-अलग लेन बनाई गई हैं। ब्रिटेन से आने वाले सभी विमानों को सैनिटाइज किया जा रहा है। फिलहाल दिल्ली से यूके के बीच रोजाना 4 फ्लाइट चल रही हैं, जनवरी 2021 में यह संख्या बढ़ाने की तैयारी है। देशभर में भारत के अलग-अलग राज्यों मुंबई, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, कोलकता, गोवा, अमृतसर, कोच्चि से यूके के लिए साप्ताहिक 67 फ्लाइट हैं।

उत्तर पश्चिम में 23 दिन ज्यादा सक्रिय रहा मानसून फिर भी कम हुई बारिश

नई दिल्ली। क्या जलवायु परिवर्तन मानसून पर भी असर डाल रहा है? मानसून की चाल में जिस प्रकार के बदलाव आ रहे है, वह चिंताजनक है। मौसम विभाग द्वारा 2020 के मानसून को लेकर तैयार एक रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। मानसून पूरे देश में समय से 12 दिन पहले छा गया और गरीब 11 दिन देरी से छंटना शुरू हुआ। इसका मतलब यह है कि इस साल मानसून की समयावधि देश के उत्तर पश्चिमी हिस्से में 23 दिन ज्यादा रही। लेकिन इसके बावजूद उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश कम हुई। मौसभ विभाग ने अपने विश्लेषण में कहा है कि 2020 में सामान्य से 109 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। यह पिछले सौ सालों में अब तक का तीसरा सर्वाधिक बड़ा रिकार्ड है। 1994 में 112 फीसदी और 2019 में 110 फीसदी बारिश हुई थी। जलवायु परिवर्तन के चलते ज्यादा गर्मी और ज्यादा बारिश की घटनाए आम है। यह रिपोर्ट मानसून के पैटर्न में कई बदलावों की ओर संकेत करती है। मसलन पूर्वोत्तर में सबसे ज्यादा बारिश होती थी लेकिन वहां बारिश घट रही है। दक्षिण में सबसे ज्यादा 130 फीसदी, मध्य में 115 फीसदी बारिश रिकार्ड की गई है। जबकि पूर्वोत्तर में 106 फीसदी बारिश हुई। उत्तर पश्चिम भारत में जहां मानसून 23 दिन ज्यादा समय तक इस बार टिका वहां बारिश सामान्य के 84 फीसदी ही हो पाई। इसी प्रकार मानसूनी बारिश अच्छी होने के बावजूद उसका वितरण खराब है। कई इलाकों में जरूरत से ज्यादा बारिश हुई और कई जगह कम। यह रिपोर्ट बताती है कि 36 में से 16 संभागों में ही सामान्य बारिश हुई। ये संभाग देश के सिर्फ 45 फीसदी भूभाग को कवर करते हैं। जबकि 15 संभागों में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई। ये संभाग देश के 40 फीसदी हिस्से को कवर करते हैं। इसमें से पांच फीसदी हिस्सा ऐसे था जहां बहुत ज्यादा बारिश हुई। इसके बावजूद पांच संभागों यानी करीब 15 फीसदी हिस्सा सूखे की चपेट में रहा। मानसून के चार महीनों में सबसे ज्यादा बारिश जून के महीने में कम बारिश होती है लेकिन जुलाई अगस्त में ज्यादा बारिश होती है। तथा सितंबर में फिर कम होती है।

जम्मू कश्मीर डीडीसी चुनाव

पहली बार कश्मीर घाटी में भी खिला कमल, श्रीनगर में बीजेपी उम्मीदवार की जीत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव की मतगणना जारी है, जिसके शुरुआती रूझान में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद बना गुपकर घोषणा पत्र गठबंधन (पीएजीडी) भाजपा से आगे दिख रहा है। जम्मू संभाग में भारतीय जनता पार्टी का दबदबा है तो दूसरी तरफ पहली बार कश्मीर घाटी में कुछ सीटों पर कमल खिलता दिख रहा है। वादी में बीजेपी दो सीटें जीत चुकी है। श्रीनगर के बलहामा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार एजाज हुसैन ने जीत दर्ज की है। कश्मीर के तुलैल सीट और पुलवामा में भी बीजेपी उम्मीदवार ने जीत हासिल की है, हालांकि अभी इनकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। कुछ सीटों पर बीजेपी बढ़त बनाए हुई है तो अन्य कई सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों को मिले वोट उत्साहजनक हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार हुए चुनाव में बीजेपी को मिली इस सफलता को काफी अहम माना जा रहा है। श्रीनगर में बलहामा सीट से जीते बीजेपी के उम्मीदवार एजाज भारतीय जनता युवा मोर्चा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। चुनाव में जीत हासिल करने के बाद उन्होंने कहा, हम गुपकार गठबंधन के खिलाफ लड़े और आज श्रीनगर में बलहामा सीट से जीते हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों और सुरक्षाबलों को बधाई देता हूं। नतीजों पर बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा, बीजेपी ने एजाज हुसैन की जीत के साथ

कश्मीर घाटी में खाता खोल लिया है। हम घाटी में कई और सीटों पर आगे चल रहे हैं। यह दिखाता है कि कश्मीर घाटी के लोग विकास चाहते हैं। डीडीसी के चुनाव में 2178 उम्मीदवार मैदान में हैं। डीडीसी की 280 सीटों के लिए आठ चरण में चुनाव कराए गए। केंद्र शासित प्रदेश के 20 जिलों में प्रत्येक में 14 सीटें हैं। डीडीसी चुनाव को क्षेत्र में भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के बीच मुकाबले के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले साल अगस्त में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू कश्मीर में यह पहला चुनाव है। पहले चरण का मतदान 28 नवम्बर को हुआ था और आठवें एवं अंतिम चरण का मतदान 19 दिसंबर को हुआ। कुल मिलाकर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए इन चुनावों में 57 लाख पात्र मतदाताओं में से 51 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। कश्मीर केन्द्रित मुख्य धारा की सात राजनीतिक पार्टियों ने गुपकर घोषणा पत्र गठबंधन (पीएजीडी) के बैनर तले चुनाव लड़ा था। इन पार्टियों में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी भी शामिल हैं। शुरुआत में कांग्रेस भी पीएजीडी का हिस्सा थी, लेकिन बाद में उसने गठबंधन से दूरी बना ली क्योंकि भाजपा ने विपक्षी दलों को गुपकर गैंग कहते हुए निशाना साधा था। पिछले सात चरण में कांग्रेस अकेले ही चुनाव में उतरी लेकिन ऐसा समझा जाता है कि पीएजीडी के साथ उसकी सहमति थी।

जबलपुर में भाजपा नेता जीत गया

कांग्रेस यूथ विंग के महासचिव का चुनाव

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस को उस समय शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब संगठन के चुनाव में बीजेपी नेता ने जीत दर्ज कर ली। दरअसल, यह बीजेपी नेता कांग्रेस के पूर्व सांसद और वर्तमान में भगवा पार्टी में शामिल हो चुके ज्योतिरादित्य सिंधिया का समर्थक था, जिसने बाद में कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर ली थी। इस घटना के बाद बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस पर तंज कसना शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश में इस महीने हुए संगठनात्मक चुनाव में कांग्रेस पार्टी के यूथ विंग के एक जिला इकाई के महासचिव के रूप में हर्षित सिंघई को जीत मिली। यूथ कांग्रेस के नेताओं ने इसे एक चीप पब्लिसिटी स्टंट बताते हुए बीजेपी कार्यकर्ता को इस पद के लिए अपने चुनाव के लिए जिम्मेदार ठहराया है। बीजेपी नेताओं ने भी कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उनकी पार्टी में चुनाव की प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

हर्षित सिंघई को ज्योतिरादित्य सिंधिया का समर्थक माना जाता है। इस वजह से उन्होंने बाद में बीजेपी का दामन थाम लिया था। बीजेपी में शामिल होने के नौ महीने के बाद वह जबलपुर नॉर्थ विधानसभा सीट से राज्य

यूथ कांग्रेस के महासचिव पद के लिए चुने गए। एमपी यूथ कांग्रेस में विभिन्न पदों के लिए चुनाव 10-12 दिसंबर के बीच कराया गया था। नतीजों का ऐलान 18 दिसंबर को हुआ है। सिंघई ने महासचिव पद जीत दर्ज करते हुए 12 वोट्स हासिल किए। एमपी यूथ कांग्रेस इलेक्शन कॉर्डिनेटर मकसूद मिर्जा ने कहा, यह बीजेपी की चीप पब्लिसिटी स्टंट है। सिंघई ने मार्च महीने में अपना नॉमिनेशन दाखिल किया था। इसके बाद, उन्होंने बीजेपी ज्वाइन कर ली, लेकिन अपना नाम वापस नहीं लिया। चूंकि, पूरी चुनावी प्रक्रिया ऑनलाइन हुई थी, इस वजह से किसी ने इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। 1800 से ज्यादा लोगों ने नॉमिनेशन दाखिल किया था। हालांकि, सिंघई कोई ज्यादा लोकप्रिय नेता नहीं हैं।

घबराए नहीं, कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के खिलाफ भी मौजूदा टीका समान रूप से होगा कारगर

नई दिल्ली। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के महानिदेशक शेखर मांडे ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस का टीका वायरस के बदले स्वरूप के खिलाफ भी उतना ही कारगर होगा और घबराने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा कि वायरस के नए प्रकार एन501वाई तुलनात्मक रूप से तेजी से फैलता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह ज्यादा घातक है और लोगों की यह जान ले लेगा। मांडे ने पीटीआई-भाषा से कहा, ऐसी संभावना है कि एंटीबॉडीज जैसे कुछ पहलुओं पर अंतर होगा लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि टीका निष्प्रभावी हो जाएगा। वायरस के स्वरूप में बदलाव के बावजूद टीका समान रूप से प्रभावी होगा।

ब्रिटेन में कोरोना के नए स्ट्रेन पर हाहाकार, विशेषज्ञ बोले- भारत में इसके अब तक कोई केस नहीं

नई दिल्ली। ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के मामलों को देखते हुए एहतियाती तौर पर यूरोप समेत दुनिया के कई देशों ने खुद को ब्रिटेन से अलग-थलग कर लिया है। कोविड-19 के नए स्ट्रेन से मचे हाहाकार को लेकर अब भारत में भी हलचल है। भारत ने भी ब्रिटेन की सभी फ्लाइटों पर पाबंदी लगा दी है। मगर भारत के लिहाज से जो सबसे अच्छी और राहत वाली बात ये है कि यहां अब तक कोविड-19 के नए स्ट्रेन का एक भी मामला सामने नहीं आया है। जिस कोरोना के नए स्ट्रेन से ब्रिटेन में हाहाकार मच गया है, उसके सबूत अब तक भारत में नहीं पाए गए हैं। सोमवार को सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि भारत में अभी तक कोरोना वायरस का यह नया स्ट्रेन नहीं मिला है। बता दें कि कोरोना वायरस का यह नया स्ट्रेन पूर्व के वायरस के मुकाबले 70 प्रतिशत अधिक तेजी से फैलता है। इस नए खतरे को देखते हुए भारत समेत करीब दुनियाभर के 40 देशों ने ब्रिटेन से विमान सेवाओं को बंद कर दिया है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने पुष्टि की है कि कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन भारत में नहीं पाया गया है और विमानों पर रोक सिर्फ एक एहतियाती कदम है। बता दें कि यूरोपीय देशों ने अपनी सीमाओं को सील कर दिया है और कड़े प्रावधान लागू कर दिए गए हैं। ब्रिटेन में लॉकडाउन तक लगा दिया गया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च में महामारी विज्ञान और संचारी रोगों के प्रमुख डॉ. समीरन पांडा ने भी कहा, हमने अपने किसी भी सैंपल में अब तक ब्रिटेन के नए कोविड-19 स्ट्रेन से संबंधित कुछ भी नहीं पाया है। चाहे यह पुणे में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) या देश भर में जीनोम अनुक्रमण करने वाली हमारी कोई भी प्रयोगशाला हो, हमारे नमूनों में इस स्ट्रेन का कोई सबूत नहीं मिला है।

28 दिसंबर को दिल्ली पहुंचेगी कोरोना वैक्सीन की पहली खेप, राजीव गांधी अस्पताल पहुंचाए गए डीप फ्रीजर

नई दिल्ली। कोरोना के संक्रमण की धीमी होती रफ्तार के बीच एक अच्छी खबर आ रही है कि 28 दिसंबर को कोरोना वैक्सीन की पहली खेप दिल्ली पहुंच रही है। इसको लेकर तैयारी पूरी कर ली गई गै। रजीव गांधी अस्पताल में ट्रकों में लादकर बड़े आकार के डीप फ्रीजर पहुंचाए गए हैं। आपको बता दें कि फिलहाल भारत में किसी भी फार्मा कंपनी की वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी नहीं दी गई है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कल कहा था कि जनवरी तक भारत में टीकाकरण का काम शुरू हो जाएगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली सरकार के राजीव गांधी अस्पताल में 21 यानी कल कुछ डीप फ्रीजर पहुंचे हैं। 25 को बचे हुए डीप फ्रीजर पहुचेंगे। कुल 90 डीप फ्रीजर आएंगे। 28 को वैक्सीन की पहली खेप आएगी। अभी फ्रीजर और अन्य उपकरणों को इंस्टॉल किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा था कि विशेषज्ञों के परामर्श के बाद, हमने कोरोना वैक्सीन के लिए 30 करोड़ लोगों को प्राथमिकता दी है। इसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पुलिस, सैन्य और स्वच्छता कर्मचारी, 50 साल से ऊपर के लोग और 50 साल से कम उम्र के वो लोग शामिल हैं जो गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। हर्षवर्धन ने कहा कि जब हम सभी को वैक्सीन दे सकेंगे वो एक आदर्श स्थिति होगी, लेकिन अभी सरकार ने विशेषज्ञों के साथ पैनल में चर्चा करने के बाद निर्णय लिया है कि पहले किसे वैक्सीन दी जाएगी। जिसमें हेल्थ वर्कर, मिल्ट्री, स्वच्छता विभाग आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस लिस्ट में हर तरह के प्रतिनिध शामिल हैं इनमें कुछ मंत्रालयों के राज्यों सरकारों के, वैक्सीन एक्सपर्ट आदि शामिल हैं।

नाइट कर्फ्यू तोड़ने के चक्कर में मुंबई पुलिस के हत्थे चढ़े

सुरेश रैना और गुरु रंधावा, 34 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना को मुंबई एयरपोर्ट के पास कोरोना के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के मामले हिरासत में लिया गया, हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने मुंबई के एक क्लब में छापा मारा जहां कोरोना के उल्लंघन के आरोप में रैना, सिंगर गुरु रंधावा सहित 34 लोगों को हिरासत में लिया। साहर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोविड नियमों के उल्लंघन के मामले में हिरासत में लिए गए लोगों में रैना और रंधावा भी शामिल हैं, हालांकि आरोपियों को बाद में बेल पर रिहा कर दिया गया।

जानिए कितने करोड़ रुपये में नीलाम हुई ब्रैडमैन की डेब्यू टेस्ट कैप-मुंबई पुलिस ने बताया कि रैना सहित 34 आरोपियों को आईपीसी की धारा 188, 269 के तहत और महामारी एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया। इन लोगों की गिरफ्तारी ड्रैगन फ्लाई पब से हुई जहां

कोरोना के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया। गौरतलब है कि सोमवार को महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना का प्रभाव रोकने के लिए रात को कर्फ्यू लगाने का फैसला किया था। नए साल को देखते हुए राज्य सरकार ने मुंबई में 22 दिसंबर से 5 जनवरी तक कई प्रतिबंध लगाए हैं। क्रिकेट को लेकर रैना की बात करें तो सोमवार को ही उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के लिए 26 सदस्यीय संभावितों की लिस्ट जारी की है, जिसमें रैना का नाम भी शामिल है। रैना ने इसी साल 15 अगस्त को महेंद्र सिंह धोनी के इंटरनैशनल क्रिकेट से अलविदा कहने के कुछ देर बाद ही खुद भी इंटरनैशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। रैना इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने के लिए दुबई रवाना हुए थे, लेकिन आईपीएल के आगाज से पहले ही निजी कारणों से स्वदेश लौट आए थे।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

कृषि बिल समर्थक किसानों का धरना खत्म

वापस अपनी जगह पर लौटने लगे किसान

> केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को लेकर गतिरोध अब भी बरकरार है। कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। इसके लिए दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन आज 27वें दिन भी जारी है।

नई दिल्ली। किसानों ने सरकार से जल्द उनकी मांगें मानने की अपील की है। वहीं सरकार की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि कानून वापस नहीं होगा, लेकिन संशोधन संभव है। हालांकि, केंद्र सरकार द्वारा किसान संगठन नेताओं के पास रविवार देर रात भेजे गए वार्ता के प्रस्ताव पर संयुक्त मोर्चा की मंगलवार को होने वाली बैठक में फैसला होगा। 32 किसान संगठनों के अधिकांश नेता केंद्र सरकार के उक्त प्रस्ताव को रस्मी मान रहे हैं, लेकिन सरकार के साथ बातचीत करनी है अथवा नहीं, इसका फैसला संयुक्त मोर्चा के नेता सामूहिक रूप से लेंगे। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार ने रविवार को पत्र किसान संगठनों के पास भेजा है, उसमें कुछ भी नया नहीं है। सरकार की ओर से ठोस समाधान का प्रस्ताव आता है तो किसान हमेशा बातचीत के लिए तैयार हैं। लेकिन इस बार भी तीनों कृषि कानूनो के संशोधन पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया है, इस पत्र में कुछ भी नया नहीं है।

- दिल्ली⁼ दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण नोएडा और गाजियाबाद से दिल्ली की ओर आने वाले ट्रैफिक के लिए चिल्ला बॉर्डर बंद है।

नोएडा ⁼ कृषि बिल समर्थक किसानों का धरना खत्म, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर के नेतृत्व में 10 किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री से मुलाकात करने दिल्ली जाएगा।

- नोएडा ⁼ पुलिस प्रशासन द्वारा समझाने के बाद कृषि बिल समर्थक किसानों का धरना खत्म हुआ, वापस लौटने लगे किसान।

- ग्रेटर नोएडा से महामाया फ्लाईओवर की तरफ आने वाला रास्ता बंद किया गया, अब कालिंदी कुंज की तरफ जा रहा ट्रैफिक। हाइवे पर लंबा जाम लगा।

- नोएडा ⁼ कृषि बिल के समर्थन में नोएड-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर ट्रैक्टर रैली निकाल कर दिल्ली की ओर कूच कर रहे किसान को पुलिस ने रास्ते में ही रोका।

- नोएडा ⁼ सेक्टर-93 एक्सप्रेस-वे से नोएडा की तरफ कृषि बिल के समर्थन में ट्रैक्टर रैली निकालते किसान।

- गाजियाबाद ⁼ किसानों द्वारा एक्सप्रेस-वे बंद किए जाने के कारण डाबर तिराहे से महाराजपुर जाने वाले मार्ग पर वाहन चालक जाम से जूझ रहे हैं। सुबह से इस रोड पर वाहनों का दबाव अत्यधिक बढ़ गया है।

- नए कृषि बिल के समर्थन में गौतमबुद्ध नगर के किसानों का दिल्ली कूच शुरू। किसान बिल समर्थन रैली के लिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे महामाया फ्लाईओवर के पास भारी पुलिस फोर्स तैनात।

एक नजर....

सरदारपुरा में क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

रानी पाली नेनाराम सिरवी. पाली जिले के रोहट तहसील क्षेत्र के सरदारपुरा में शीतकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि जिला परिषद वार्ड संख्या 6 के प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह. के कर कमलों द्वारा शुभारंभ किया गया. भाजपा गुंदोज मंडल अध्यक्ष गणेश पटेल समाज सेवी हरीश भाई रुपावास जयपुर भाजपा प्रवक्ता टीकम भाई पटेल. एवं गणमान्य ग्रामीण एवं कई वरिष्ठ भाजपा के कार्यकर्ता की उपस्थिति में शीतकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया.

प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज ने भाजपा सांसद कैलाश सोनी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की

नारायणलाल सैणचा

नई दिल्ली – भारत के लाखों स्वर्णकारों एवं सर्राफा व्यापारियों की समस्याओं को देश की संसद में उठाने वाले मध्यप्रदेश से राज्यसभा के भाजपा सांसद कैलाश सोनी से भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानंद जी महराज ने सोमवार को दिल्ली स्तिथ उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की।स्वामी तेजानंद महाराज के साथ भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महासचिव विजय प्रकाश जैन और संघटन के राष्ट्रीय मंत्री एवं तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के सचिव आर कालूराम सौलंकी भी मौजूद थे। तीनों ने कैलाश सोनी से आग्रह किया है कि देश के सर्राफा व्यापारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा कानून के दुरुपयोग के मुद्दे को केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के समक्ष उठाकर इसके स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त करें।माननीय सांसद महोदय ने केंद्रीय गृह मंत्री के साथ इस मुद्दे पर पत्राचार का उल्लेख करते हुए कहा कि बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और केंद्र सरकार को इस समस्या के बारे में जानकारी है।उन्होंने आश्वासन दिया है कि भविष्य में वह उपयुक्त समय पर व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय गृह मंत्री और केंद्रीय कानून मंत्री से मुलाकात करेंगे। स्वामी तेजानंद जी महाराज ने पिछले वर्ष संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान भारतीय दंड विधान की धारा 411 के व्यापक दुरुपयोग का मुद्दा उठाने के लिए माननीय सांसद का आभार प्रगट किया।स्वामीजी ने दक्षिण भारत के हज़ारों सर्राफा कारोबारियों पर हो रहे पुलिस उत्पीड़न के बारे में माननीय सांसद को जानकारी दी।तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की तरफ से केंद्र सरकार को प्रेषित ज्ञापन में मांग की गई थी कि चोरों की चल-अचल संपत्ति जब्त हो।इस मुद्दे पर माननीय सांसद ने अपनी सहमति जताते हुए इसको अमल में लाने के लिए केंद्रीय मंत्रियों से बातचीत का आश्वासन दिया है। माननीय सांसद महोदय ने केंद्रीय गृह मंत्री से अगली मुलाकात के दौरान स्वामी तेजानंद महाराज को साथ में मौजूद रहने का आग्रह किया है।

पोरसा में दुबे मैरिज गार्डन को अवैध मानते हुए नगर पालिका ने तोड़ा...

पोरसा... अटेर रोड पोरसा पर स्थित दुबे मैरिज गार्डन को अवैध मानते हुए आज शासन ने तुड़वा दिया, अवैध मैरिज गार्डन को तोड़ते वक्त तहसीलदार नरेश शर्मा, टी आई अतुल सिंह सहित नगरपालिका का पूरा अमला एवं पूरा पुलिस फोर्स मौजूद था नगर पालिका सीएमओ अमजद गनी का कहना है कि गार्डन बिना अनुमति के बनाया गया है इसलिए यह अवैध है गार्डन का आज तक नगर पालिका में पंजीयन भी नहीं हुआ है जिस जगह पर गार्डन बनाया गया उस जगह का डायवर्सन नहीं हुआ है एवं एनओसी नहीं ली गई है साथ ही पार्किंग की सुविधा नहीं है इसलिए गार्डन को अवैध माना गया है इसके लिए 18 तारीख को नोटिस भी जारी किया गया था लेकिन नोटिस का कोई जवाब ना आने पर यह कार्यवाही की गई है इससे पूर्व रामसेवक दुबे के गार्डन को टीम ने मय दुकानों सहित तोड़ा ज्ञात रहे कि बीते सप्ताह यह दुबे परिवार गांजा तस्करी में पकड़ा गया था।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण एवं जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मुरैना। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में नवीन कलेक्ट्रेट के सभागार में मंगलवार को जिला बाल संरक्षण एवं जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने कहा है कि शहर में दो बाल सम्प्रेक्षण गृह संचालित है, जबकि बच्चों की संख्या कम है तो दो के स्थान एक बाल सम्प्रेक्षण गृह संचालित किया जाये। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हंसराज सिंह, सीएमएचओ डॉ. आरसी बांदिल, जिला महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्रीमती अनुपमा राय, सीएसपी प्रियंका मिश्रा, बाल कल्याण समिति के श्री राकेश शिवहरे, डॉ. नीरज गुप्ता, शिक्षा, ट्रायवल, वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी श्रीमती अर्पूवा चौधरी, एनजीओ सुश्री आशा सिकरवार, श्री देवेन्द्र भदौरिया, बाल सम्प्रेक्षण गृह के अधीक्षक श्री सुखवीर सिंह तोमर, संरक्षण अधिकारी श्री ब्रजराज शर्मा, श्री रविकान्त दुबे, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने कहा है कि जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालकों के देखरेख संरक्षण के एवं पुर्नवास हेतु शासकीय तथा अशासकीय बाल देखरेख संस्थायें किशोर न्याय अधिनियम 2015 द्वारा संचालित है। शासकीय सम्प्रेक्षण गृह मुरैना में विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के आदेशानुसार 8 से 18 वर्ष तक के बालकों को निरूद्ध रखा जाता है। वर्तमान में छात्र संख्या 36 है। संस्था के समस्त बालकों को संस्थान में रहकर ही मूलभूत शिक्षा प्रदाय की जाती है।

शहर कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की बैठक संपन्न हुई

मोहन मांझी

भिण्ड / आगामी होने वाले नगर पालिका चुनाव को लेकर की गई जिसमें भिंड से पर्यवेक्षक के रुप में श्री भगवती प्रसाद शर्मा एवं उनके साथ श्री रवि शंकर जैन जिला अध्यक्ष सद्भावना प्रकोष्ठ अजय महेरे उपस्थित रहे नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी के लिए कुल 10 प्रत्याशियों ने अपने बायोडाटा दिए श्रीमती सुनीता/ कौशल, श्रीमती रीना देवी/तुलाराम , श्रीमती मीरा देवी/गंभीर सिंह , श्रीमती मुन्नी बाई/श्रीगोविन्द, श्रीमती अनीता कौशल/ श्रीमती सुनीता /पिंकी उचडिया/,श्रीमती सुनीता देवी /मनोज, श्रीमती फूलन देवी/शिवचरण जयंत, श्रीमती गायत्री माहोर /कैलाश माहोर, श्रीमती प्रीति/बाबी जर्मन, ओमवती/विजय निगम, सबसे अहम बात यह रही कि पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रत्याशी रहे डॉ राजकुमार देशलहरा ने अपने परिवार से किसी का बायोडाटा नहीं दिया बैठक में उपस्थित लोगों ने उनसे चुनाव लड़ने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा मैं चुनाव लड़ने का इच्छुक नहीं हूं इसलिए बायोडाटा नहीं दे रहा हूं अगर पार्टी और वरिष्ठ नेता गण चुनाव लड़ने को कहेंगे तो जरूर नगर पालिका अध्यक्ष के लिए मैदान में उतरुगा गोहद नगर पालिका में 18 वार्ड हैं जिसमें पार्षद के लिए भी विभिन्न वार्ड से उम्मीदवारों ने अपने-अपने बायोडाटा पर्यवेक्षक को सौपे इस बैठक में मुख्य रूप से शहर अध्यक्ष विजय उर्फ टोनी मुद्गल पूर्व जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस कुलदीप ,सिंह गुर्जर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. राजकुमार देशलहरा,किसान कांग्रेस अध्यक्ष आशीष गुर्जर, उमेश काकर पेनी कलम, गोपाल पचौरी,संतोंखि पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा ,भगवती प्रसाद शर्मा, बंटी गुर्जर विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस, बंटी गुर्जर, मुन्नी भटेले,तहसील साह, केशव देसाई,डॉ धर्मवीर दिनकर, रमजानी खान, जावेद पठान, करु पार्षद, साबू खान, पिंकी , रागिनी चौहान, राहुल उपाध्याय ,शाहरुख शाह, नवल किशोर बरैया, निशांत बरैया ,केदार कौशल, महावीर जाटव आदि लोग उपस्थित थे।

भिंड नगर पालिका सीएमओ शहर की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे

मनमाने तरीके से चल रहा सीवर आरओ के प्लांड का काम

अनिल पाराशर पुष्पांजलि टुडे क्राइम रिपोर्टर

जानकारी अनुसार इन दिनों शहर के अंदर कार्य की प्राथमिकता को देखते हुए सीवर आरओ प्लांड के तरह सड़क खुदाई का कार्य भारी पैमाने पर किया जा रहा है जिसमे सीवर आरओ प्लांड के ठेकेदारों की मन मानी का खामियाजा गरीब बस्तियों में रहने बाले नागरिको को भुगतना पड़ रहा है ।बार्ड क्रमांक 27 पम्प हाउस के पास बाली खोदी गई रॉड को करीव 3 दिन पूर्ण हो गए है ।लेकिन उसमें कार्य की प्राथमिकता बिल्कुल शून्य बनी हुई है ।न पाइप डालने बाला कोई जिम्मेदार ठेकेदार नजर आ रहा है ।और नाही कोई टूटी पड़ी नलों की लाइन जोड़ने बाला नजर आ रहा है ।ऐसे में बार्ड क्रमांक 27 के नागरिकों के घर मे जल संकट तांडव कर रहा है ।घरों में लगे कनेक्शन से निकल रहा है ।गंदा पानी जिंसको किसी भी प्रकार इस्तेमाल नही किया जा सकता ।साथ ही टूटी पड़ी हुई पानी की पाइप लाइन जिससे बड़ी सप्लाई में नालियों का पानी सीवर का पानी अन्य घनी बस्तियों में पहुच रहा है । ऐसे में सीवर आरओ फिल्टर प्लांड के ठेकेदारों के कार्य की समीक्षा की जिम्मेदारी कोन लेगा नगर पालिका के वरिष्ट अधिकारी इस ज्वलन समस्या पर ध्यान आकर्षित करे जिससे आम जन की समस्या पर अंकुश लग सके ।

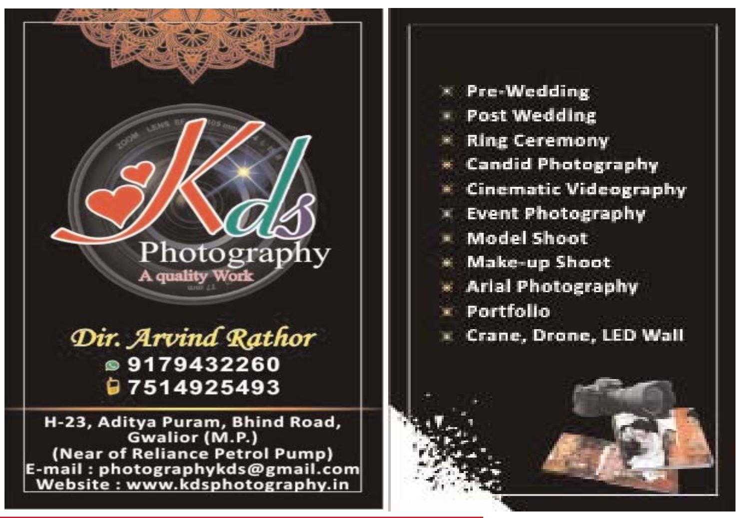

VISION 2030

ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती

जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।

ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।

Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

कुछ कहो भी का वर्चुअल विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न

उदयपुर(अर्पित गुप्ता) मधुशाला साहित्यिक परिवार द्वारा युवा रचनाकार प्रकाश नीरव द्वारा रचित पुस्तक कुछ कहो भी (काव्य संग्रह) का वर्चुअल लोकार्पण मधुशाला संस्थापक दीपेश पालीवाल द्वारा मधुशाला साहित्यिक परिवार के वेब पोर्टल के माध्यम से हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीया श्रीमती मधु जैन जी ने किया। कुछ कहो भी ई- पुस्तक के रचयिता प्रकाश नीरव ने बताया कि इस पुस्तक में उनके द्वारा रचित 30 बेहतरीन रचनाओ का समावेश है।

विधुत विभाग की टीम सिद्ध बाबा फीडर सरेंधी चौराहा धर्मेंद्र वर्मा और विक्रम, लायनमेन अखिलेश परमार, मोनू परमार, भूरा कुशवाह रिंकू सिंह और 1 लोग अज्ञात मे 7 लोगो की टीम द्वारा चेकिंग के नाम नगला रुँध पेट्रोल पम्प के पीछे अशोक सिंह पुत्र मांखन सिंह निवासी नोनी ब्लॉक थाना जगनेर तहसील खेरागढ़ आगरा प्राथी के घर पर नलकूप के कनेशन को काटने गये घर पर छोटे छोटे बच्चे और बुद्दी औरत मिली जबरदस्ती चेकिंग के नाम पर प्राथी के घर से 12300 रूपये चेन, मंगलसूत, 4 अंगूठी, कुंडल, घर मे रखा था जो उसमे ताला ना होने के कारण विधुत विभाग की टीम द्वारा घर से निकाल कर ले गये प्राथी ने 112 नंबर पर कॉल किया और पुलिस भी आ गई मोके पर प्राथी ने थाना जगनेर मे नाम बारे तहरीर दी गई प्राथी के न्याय के लिये लगाई गुहार।

6 किलो मादक पदार्थ गांजा मय आरोपी सिविल लाइन पुलिस ने पकड़ा

संदीप प्रधान

दतिया / पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अवैध मादक पदार्थो की तस्करी एवं विक्री पर सख्त कार्यवाही हेतु दिए निर्देशों के पालन में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री कमल मौर्य जी एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय दतिया श्री सुमित अग्रवाल जी के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना सिविल लाइन दतिया टीआई रविंद्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में एवं उनकी टीम के द्वारा दिनांक 22/ 12/20 को जरिए मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की राजघाट नहर के पास कुम्हेडी रिछरा मार्ग पर एक व्यक्ति एक प्लास्टिक की बोरी में अवैध गांजा लेकर आ रहा है सूचना की तस्दीक हेतु टीआई रविंद्र सिंह गुर्जर मय बल के कुम्हेडि रिछरा मार्ग राजघाट नहर की पुलिया पर मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचा तो एक व्यक्ति एक प्लास्टिक की बोरी लेकर आ रहा था जो पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे हमराह फोर्स की मदद से घेर कर पकड़ा जिससे नाम पता पूछा जिसने अपना नाम विजय उर्फ चैटू पुत्र हाकिम रावत उम्र 22 साल निवासी ग्राम भरसूला थाना गोराघाट जिला दतिया का होना बताया आरोपी द्वारा पूछताछ पर बताया कि सूखे मादक पदार्थ गांजे के पेड़ को बेचने जा रहा था इतनी मात्रा में गांजे के पेड़ रखने एवं बेचने के संबंध में लाइसेंस चाहा तो अपने पास कोई लाइसेंस का न होना बताया उक्त आरोपी का यह कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पाया गया मौके पर उक्त आरोपी से 5 किलो 700 ग्राम गांजा कीमती 45600 के जप्त कर अपराध क्रमांक 382/20 धारा 8/20 एनडीपीएस पंजीबद्ध किया गया है । उक्त कार्यवाही में टी आई रविंद्र सिंह गुर्जर एसआई संजेश सिंह भदोरिया आरक्षक 344 अनुरोध पावन आरक्षक 77 संजेश आरक्षक 345 शिवकुमार आरक्षक 525 राजकुमार थाना सिविल लाइन की सराहनीय भूमिका रही

खोड़ मंडल में भाजपा वर्ग प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

ठाकुरदास लोधी

पिछोर। शिवपुरी विधानसभा के खोड़ मंडल में भारतीय जनता पार्टी के वर्ग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ भाजपा पद अधिकारी मौजूद रहे। वर्ग प्रशिक्षण का उद्देश्य भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना और पार्टी की नीतियों को हर वर्ग के लोगों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ,पंडित दीनदयाल उपाध्याय,के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। एवं वर्ग में क्रमबद्ध रूप से 4 सत्र के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।जिसमें सर्वप्रथम वक्ता के रूप में श्रीनिवास गेडा की अध्यक्षता में डॉ अजय खेमरिया व्यक्तित्व विकास द्वितीय वक्ता के रूप में बृजमोहन निगोती की अध्यक्षता में ओम प्रकाश जैन (ओमी) ने भारतीय जनता पार्टी के इतिहास पर विस्तृत चर्चा की तृतीय सत्र के रूप में केदार वरसैया की अध्यक्षता में डॉ अरविंद वेडर ने आत्मनिर्भर भारत एवं सुरक्षा पर प्रकाश डाला एवं चतुर्थ शत्र वक्ता मंडल अध्यक्ष केरन सिंह लोधी की अध्यक्षता में विकास जैन ने सोशल मीडिया का सदुपयोग पार्टी के हित में किस प्रकार किया जा सकता है। इसके विषय में विस्तृत जानकारी दी वर्ग के दो दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रथम दिन भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में भाजपा मंडल अध्यक्ष केरन सिंह लोधी, नगर अध्यक्ष अभिषेक बरसैयां,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष राज नारायण गुप्ता, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राहुल भार्गव, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष आमीन खान,मंडल मीडिया प्रभारी आबिद बख्श पत्रकार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पेट दर्द और बुखार की शिकायत पर पहुंचे अस्पताल, रिपोर्ट में निकला कोरोना

भोपाल। देश में कोरोना के मामले अभी तक एक करोड़ से अधिक पार हो चुके हैं। अब इसी कड़ी में एक और लक्षण सामने आ रहा है, जिसमें अगर आपको पेट दर्द के बाद डायरिया और एक दिन बुखार है तो आपको कोरोना का खतरा है। शहर में बुखार से जुड़ी जांच करने वाली क्लीनिकों पर रोजाना तकरीबन सौ मामले कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों की सलाह है कि कोरोना के दौर में डायरिया को बिल्कुल नजरअंदाज न करें, समय पर इलाज कराएं और शरीर में पानी की कमी न होने दें। ठंड के इस मौसम में सर्दी-जुकाम और बुखार के लक्षण आम हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि कई लोग, संक्रमितों के संपर्क में आने के बावजूद भी जांच नहीं कराते हैं। यही कारण है कि लोगों को बुखार और दस्त हो जाता है। इसलिए थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। वहीं सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने इस बारे में कहा कि कई मामलों में लोग पेट दर्द, डायरिया होने पर इलाज कराने के लिए जाते हैं। लेकिन जांच में उनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव हो जाती है। हमीदिया अस्पताल में कोविड यूनिट के इंजार्च डॉ. पराग शर्मा ने बताया कि ऐसे केसों की संख्या पिछले 15 दिनों में लगातार बढ़ रही है। जरूरी नहीं है कि कोरोना के हर केस में लक्षण सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार ही हो। किसी को भी अगर एक भी दिन बुखार आता है, तो उसकी जांच कराना आवश्यक है। वहीं हमीदिया अस्पताल के फीवर क्लीनिक इंचार्ज डॉ. यशवीर जेके ने बताया कि ज्यादातर लोग सर्दी-जुकाम और बुखार होने पर खुद घर में दवाएं लेकर इलाज करने लगते हैं और समय पर जांच कराने के लिए नहीं आते हैं। लोगों के इए सुझाव है कि कोरोना के लक्षण दिखाई देने के बाद तत्काल जांच कराएं। ताकि इलाज भी समय पर हो सके।

प्रशांत किशोर को नरोत्तम मिश्रा का जवाब- जब जनता खड़ी होती है तब पीके, सीके सब फीके होते हैं

भोपाल। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर कल से सुर्खियों में छाए हुए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को खुली चुनौती दे दी है। पीके के नाम से मशहूर प्रशांत किशोर ने कल एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी दहाई अंक को पार करने के लिए जद्दोजहद कर रही है। उन्होंने यहां तक भी कहा कि अगर भगवा पार्टी ऐसा करने में सफल होती है तो वह ट्विटर छोड़ देंगे।

प्रशांत किशोर के इस बयान के बीद बीजेपी की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। शिवराज कैबिनेट में गृह मंत्री और मध्य प्रदेश की राजनीति के कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा ने कहा कहा, पीके और सीके सब फीके होते हैं जब जनता खड़ी होती है। यही प्रशांत किशोर थे जो बिहार में तेजस्वी यादव की लालटेन बुझा कर आए। अब ममता की तृणमूल भी तिनके की तरह उड़ती दिखेगी। पीके और सीके सब फीके होते हैं जब जनता खड़ी होती है।यही प्रशांत किशोर थे जो बिहार में तेजस्वी की लालटेन बुझा कर आए।अब ममता की तृणमूल भी तिनके की तरह उड़ती दिखेगी- चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के बयान प.बंगाल चुनाव में दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी पर नरोत्तम मिश्रा शुभेंदु अधिकारी समेत टीएमसी के कई नेताओं के अमित शाह के दौरे के दौरान बीजेपी में शामिल होने के बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि बंगाल में भाजपा दहाई के आंकड़े के लिए भी संघर्ष करती दिखेगी। इतना ही नहीं, उन्होंने ऐलान किया है कि अगर भाजपा दहाई का आंकड़ा पार करती है तो वह यह स्पेस छोड़ देंगे। उन्होंने ट्वीट में यह नहीं बताया था स्पेस से उनका आशय किससे है, लेकिन के एक टॉप अधिकारी ने कहा कि प्रशांत किशोर कहना चाहते हैं कि वह चुनावी रणनीतिकार का काम छोड़ देंगे। गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव में बंगाल में बीजेपी के 18 सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद ममता बनर्जी ने प्रशांत किशोर की कंपनी को हायर किया। बीजेपी में शामिल होने वाले तृणमूल कांग्रेस के ज्यादातर नेताओं ने प्रशांत किशोर की कार्यशैली की ओालचना की है। प्रशांत किशोर का दावा इस लिहाज से महत्वपूर्ण है क्योंकि अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि उनकी पार्टी बंगाल विधानसभा के अगले चुनाव में 200 से ज्यादा सीटें लाकर सरकार बनाएगी।

सिरफिरे ने बेटी को काट डाला, बचाने आई महिला की भी हत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में मंगलवार की सुबह दिल दहलाने वाली वारदात हुई। एक सिरफिरे ने अपनी ही पत्नी और बच्चों पर धारदार हथियार से हमला बोल दिया। बचाने आये लोगों पर भी उसने कातिलाना वार किया। वारदात में युवक की पुत्री हुमेरा (7) और नोनहटटा मोहल्ला निवासी सुलेमा (65) पत्नी अच्छेलाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। हमला करने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए पुरुष चिकित्सालय भर्ती कराते हुए शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दिया। आरोपी को हिरासत में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। घटना से गुसाई भीड़ ने सड़क जाम कर दिया है, मौके पर पुलिस के अधिकारी पहुंचे और वारदात की पूरी जानकारी ली। नगर के भादी खास मोहल्ला निवासी मुमताज़ (30) पुत्र आजम मानसिक रूप से विक्षिप्त है सोमवार की शाम परिवार वाले उसे उपचार के लिए वाराणसी ले जा रहे थे कि इमरान गंज बाजार के समीप गाड़ी से उतर कर भाग निकला।

मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस के 1035 नए मामले, 9 और लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1035 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 232319 तक पहुंच गई। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से नौ और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 3490 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से इंदौर में तीन, भोपाल में दो और ग्वालियर, खरगोन, नीमच एवं राजगढ़ में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 840 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 557, उज्जैन में 101, सागर में 145, जबलपुर में 236 एवं ग्वालियर में 192 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में सोमवार को कोविड-19 के 386 नए मामले इंदौर जिले में आए, जबकि भोपाल में 219 नए मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 2,32,319 संक्रमितों में से अब तक 2,17,775 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और 11,054 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को 1,290 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया लखनऊ पहुंचे

सिद्धार्थ नाथ सिंह को दी बहस की चुनौती

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के उतरने के ऐलान के साथ ही भाजपा और आप नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। केजरीवाल के ऐलान के तुरंत बाद यूपी सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह ने यूपी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और दिल्ली सरकार को कई मोर्चों पर फेल बताया था। अब दिल्ली सरकार के डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया ने लखनऊ पहुंचकर सिद्धार्थनाथ सिंह को शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर बहस की चुनौती दी। इस दौरान आप सांसद संजय सिंह भी मौजूद रहे।

मनीष सिसौदिया मंगलवार को लखनऊ पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर आप कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बाद में एक प्रेस कांफ्रेंस में मनीष सिसौदिया ने कहा कि उन्हें अच्छा लग रहा है कि पहली बार यूपी की राजनीति में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे मुद्दे उठ रहे हैं। इन मुद्दों पर बहस की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल से यूपी में भाजपा की सरकार है लेकिन यूपी में लोग पूछ रहे हैं कि हमें क्या मिला। पांच साल में दिल्ली में सरकारी स्कूल अच्छे हो गए। यहां हालत खराब है। दिल्ली में सरकारी स्कूलों के बच्चों के नतीजे 98 प्रतिशत आने लगे। यूपी में सरकारी स्कूलों के बच्चों के नतीजे 70 से 75 प्रतिशत पर अटके हुए हैं। दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की फीस नहीं बढ़ने दी गई। यूपी में कई गुना बढ़ गई। दिल्ली में 70 से 80 प्रतिशत लोगों को बिजली फ्री मिल रही है। यूपी में बिजली की दरें लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली में बिजली-पानी चौबीसों घंटे आता है। यूपी में कितनी आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी में चार सालों में हालत बद से बदतर हो गई है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जबसे यूपी से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है तबसे यूपी सरकार बौखलाई हुई है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार के मंत्रियों ने चुनौती दी है कि दिल्ली के गवर्नेंस मॉडल और यूपी के मॉडल पर वे खुली बहस के लिए तैयार हैं। सिसौदिया ने कहा कि जिस दिन सिद्धार्थनाथ सिंह जी ने यह चुनौती दी थी उसी दिन उन्होंने (सिसौदिया ने) कहा था कि मैं आपका निमंत्रण स्वीकार करता हूं। लेकिन उसके बाद आज तक सिद्धार्थनाथ सिंह ने समय और स्थान नहीं बताया। सिसौदिया ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पिछले चार साल के दौरान यूपी सरकार ने शिक्षा, बिजली और रोज़गार के क्षेत्र में जो काम किए हैं उन पर खुली बहस के लिए मंत्री आएंगे। उन्होंने कहा कि खुली बहस के लिए यूपी के मंत्री की चुनौती को स्वीकार करके वह लखनऊ आए हैं। आज पूरे दिन लखनऊ में ही रहेंगे। मंत्री जी मुझे बताएं कि कहां आना है। मैंने तो उसी दिन उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया था। अभी तक उन्होंने समय और स्थान नहीं बताया।

आजमगढ़ में भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर रावण की पुलिस से झड़प, डीएम से मिलने से रोकने पर बढ़ा विवाद

आजमगढ़। भीम आर्मी के मुखिया चंद्रशेखर और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के बीच मंगलवार को कलक्ट्रेट पर झड़प हो गई। चंद्रशेखर आजमगढ़ में हो रही आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने सहित कई मुद्दों को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार को ज्ञापन देने जा रहे थे। स्थानीय खुफिया इकाई के सूचना पर अलर्ट रही पुलिस ने जब कलेक्ट्रेट के पास लगी बैरिकेडिंग पर चंद्रशेखर को रोका तो पुलिस और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। भीम आर्मी कार्यकर्तओं को आक्रोश में देख माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट के समीप डेरा डाल दिया। इस दौरान चंद्रशेखर अपने तेवर में दिखे, उन्होंने कहा सत्ता का नशा उतारूंगा। मामले को शांत करने के लिए डीएम ने हस्तक्षेप किया और चंद्रशेखर कुछ लोगों के साथ उनसे मिले और ज्ञापन सौंप कर वापस लौट गए। इससे पहले चंद्रशेखर ने रोडवेज के समीप एक होटल में मीडिया से बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो गई है।

रातभर पढ़ सकने की दवा बताकर छात्रों में डाल देते थे ड्रग्स की लत, ऐसे हुआ खुलासा

इंदौर। इंदौर में पकड़े गए ड्रग्स रैकेट में रोजाना नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस की पूछताछ में ड्रग पेडलर्स ने जो खुलासे किये हैं, उससे पुलिस भी हैरान है। आरोपी पेडलर्स ने पुलिस को बताया कि वे छात्रों को नशे की लत डालने के लिए उनसे कहते थे कि यह दवा लोगे तो रातभर पढ़ सकोगे। इससे वे घंटों बिना नींद लिए अच्छे से पढ़ाई कर सकते हैं।जानकारी के मुताबिक, डीआईजी हरिनारायणाचारी मिश्र ने ड्रग पेडलर्स जोजो उर्फ सोहन, सद्दाम, विक्की परियानी, धीरज, कपिल, राज उर्फ मुन्ना प्रजापति, राहुल और जितेंद्र से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उनसे शहर में ड्रग्स के कारोबार के संचालन और युवाओं को टारगेट करने का तरीका पूछा। पेडलर्स ने बताया कि वे लोग हाईप्रोफाइल सोसायटी और मध्यम वर्ग के उन युवाओं को टारगेट करते थे, जो पब कल्चर के आदी हैं। ऐसे में पेडलर्स इन युवाओं को टारगेट करने के लिए कई तरीके अपनाते थे। पहला तरीका उन युवाओं के साथ नशा करना होता था। वहीं, दूसरे तरीके में गैंग की युवतियों से उन युवाओं की दोस्ती कराई जाती थी। डीआईजी ने बताया कि इस मामले में गिरोह के सरगना सागर जैन को भी रिमांड पर ले लिया गया है। उसकी संपत्ति की जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल इस कारोबार से जुड़े करीब 26 लोगों के बारे में पता चला है, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। पूछताछ के दौरान एक पेडलर ने बताया कि वह पब में आने वाले युवाओं को सिगरेट में चरस, गांजा, स्मैक भरकर नशे का आदी बनाते थे। इस तरह से उन्होंने काफी लोगों को अपने जाल में फंसाया।

बचाओ-बचाओ की चीखों ने तोड़ा सन्नाटा

पांच मिनट में ही खत्म हो गईं पांच जिंदगियां

आगरा। बचाओ-बचाओ, प्लीज हमें बचाओ...यमुना एक्सप्रेस वे पर अचानक जल उठी कार में फंसे लोगों की इन चीखों से पूरा इलाका दहल गया। मदद में कुछ हाथ आगे बढ़े लेकिन कार से धधकती आग ने उन्हें रुक जाने पर मजबूर कर दिया। लोग बेबस होकर अपनी जगह पर ठिठक गए और आंखों के सामने पांच लोगों को जिंदा जलते देखते रहे। देखते ही देखते कार में फंसी पांच जिंदगियां खत्म हो गईं। चीखें शांत पड़ गईं लेकिन जिनके सामने ये सब कुछ हुआ उन्हें अब शायद इस पल कुछ न कर पाने का अफसोस उम्र भर रहेगा।

गलत साइड से आकर टैंकर ने मारी टक्कर

हादसे के वक्त वहां मौजूद रहे एक शख्स ने बताया कि कुछ समय पहले उस कार ने उनकी कार को ओवरटेक किया था। उनकी कार, दुर्घटनाग्रस्त कार के पीछे थी। उन्होंने देखा कि गलत साइड से आ रहे टैंकर ने उनके आगे चल रही कार को टक्कर मार दी। शायद टैंकर के डीजल टैंक में लीकेज थी। इस टक्कर के तुरंत बाद कार में आग लग गई।

मदद की गुहार लगाते रहे कार में फंसे लोग

कार में आग लगने के बाद उसमें बैठे लोगों ने बाहर निकलने की कोशिश की लेकिन आग ने उन्हें बुरी तरह से घेर लिया। वे बाहर नहीं निकल पाए लेकिन चीख-चीख कर मदद की गुहार लगाते रहे। उनकी चीखों से पूरा इलाका दहल गया। वहां मौजूद कई लोगों ने मदद के लिए आगे बढ़ने की कोशिश की लेकिन आग की वजह से कोई कुछ नहीं कर सका। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उन्होंने कार में फंसे एक बच्चे को निकालने की कोशिश की लेकिन नहीं निकाल पाए। देखते ही देखते कार आग के गोले में तब्दील हो गई। कुछ देर में कार से आ रही चीखें शांत पड़ गईं। अंदर पांच जिंदगियां खत्म हो गईं।

लालच देकर धर्मांतरण कराने के आरोप में तीन प्रचारक गिरफ्तार

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र की पुलिस ने लालच देकर लोगों का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। दीदारगंज के थाना प्रभारी ने मंगलवार को बताया कि तीन लोगों के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध कानून के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। डीह कैथौली गांव के लोगों ने बताया कि गांव के त्रिभुवन यादव के घर रविवार सुबह से दर्जनों लोग जुटे थे। वहां ईसाई धर्म के तीन प्रचारक बाहर से आए थे। उन्होंने बताया कि धर्म परिवर्तन को लेकर प्रार्थना सभा चल रही थी। इसी बीच गांव के अशोक यादव ने पुलिस के पास इस संबंध में शिकायत की। अशोक यादव की तहरीर पर पुलिस ने लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर तीनों धर्म प्रचारकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जौनपुर निवासी बालचंद जायसवार, वाराणसी निवासी गोपाल प्रजापति और आजमगढ़ निवासी नीरज कुमार के रूप में की गई है।

स्वच्छ भारत अभियान से मुस्लिम छात्राओं के बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर में आई कमी: पीएम मोदी

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुस्लिम छात्राओं के बीच में ही पढ़ाई छोड़ने की दर में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि पहले इसकी दर 70 फीसदी तक थी लेकिन अब यह कम होकर 30 फीसदी के करीब रह गई है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के शताब्दी समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय स्वच्छ भारत अभियान को दिया, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2014 को हुई थी। उन्होंने कहा कि लिंग के आधार पर भेदभाव ना हो, सबको बराबर अधिकार मिले और देश के विकास का लाभ सबको मिले, ये एएमयू की स्थापना के उद्देश्यों की प्राथमिकताओं में था। उन्होंने कहा कि इसे ही आगे बढ़ाते हुए तीन तलाक की कुप्रथा का अंत किया गया। उन्होंने आगे कहा कि पहले मुस्लिम बेटियों का शिक्षा में ड्रॉप आउट रेट 70 प्रतिशत से ज्यादा था। मुस्लिम समाज की प्रगति में बेटियों का इस तरह पढ़ाई बीच में छोड़ देना हमेशा से बहुत बड़ी बाधा रहा है। लेकिन 70 साल से हमारे यहां स्थिति यही थी। 70 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम बेटियां अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाती थी। आज देश के सामने क्या स्थिति है। पहले जो ड्रॉपआउट रेट 70 प्रतिशत से ज्यादा था वह अब घटकर करीब 30 प्रतिशत रह गया है। पीएम मोदीने ने कहा कि पहले लाखों मुस्लिम बेटियां शौचालय की कमी की वजह से पढ़ाई छोड़ देती थी। इन्हीं स्थितियों में स्वच्छ भारत मिशन शुरू हुआ। गांव-गांव में शौचालय बनें। सरकार ने स्कूल जाने वाली छात्राओं के लिए मिशन मोड में शौचालय बनाएं। अब हालात बदल रहे हैं। मुस्लिम बेटियों का ड्रॉपआउट रेट कम से कम हो, इसके लिए केंद्र सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने एएमयू में मुस्लिम छात्राओं की संख्या बढ़ने का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को बधाई दी और कहा कि मुस्लिम छात्राओं की शिक्षा और उनके सशक्तिकरण पर सरकार का बहुत ध्यान है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 6 साल में सरकार द्वारा करीब-करीब एक करोड़ मुस्लिम बेटियों को स्कॉलरशिप दी गई है। मुस्लिम समाज की महिलाओं में शिक्षा पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर एक महिला शिक्षित होती है तो उससे एक परिवार शिक्षित होता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षित इसलिए होना है ताकि वह अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकें। अपना भविष्य खुद तय कर सकें।

नौकरी से निकालने पर महिला सफाईकर्मी को पड़ा अटैक, साथियों ने काटा हंगामा

मेरठ। मेरठ में नौकरी से निकालने पर महिला कर्मचारी को दिल का दौरा पड़ गया। इससे क्षुब्ध सैकड़ों सफाईकर्मियों ने काम ठप कर हंगामा शुरू कर दिया। सफाई कर्मचारियों ने ईव्ज चौराहे पर जाम लगा दिया। कर्मचारी महिला सफाईकर्मी को फिर से काम पर लेने की मांग करने लगे। रास्ता जाम होने की सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट सत्येंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को समझाने की कोशिश की। लेकिन सफाई कर्मचारी सेवा समाप्ति की कार्रवाई वापस लेने की मांग पर अड़े हुए हैं। उधर, महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। शहर में वार्ड 47 में आउटसोर्सिंग महिला सफाईकर्मी निशा समेत 12 आउटसोर्सिंग सफाईकर्मियों को 18 दिसम्बर को अपने ड्यूटी क्षेत्र से अनुपस्थित रहने पर नगर आयुक्त मनीष बंसल ने सेवा समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया था। इसके बाद महिला सफाई कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई। ईव्ज चौराहे पर चक्का जाम के दौरान सफाई कर्मचारी नेता कैलास चंदोला, विनेश विद्यार्थी समेत बड़ी संख्या में मौजूद सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि नगर आयुक्त की कार्रवाई से महिला सफाई कर्मचारी को झटका लगा। इससे मंगलवार की सुबह छह बजे उसे हार्टअटैक आ गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सफाई कर्मचारी नेताओं की अगुवाई में शहर में सफाई ठप कर दी गई है। सफाई कर्मचारी नेताओं की मांग है कि सभी आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की सेवा समाप्ति की कार्रवाई वापस ली जाए।

विधायक तजीन फातिमा की रिहाई पर बोले अखिलेश-ये इंसाफ पर एतबार करने वालों की जीत है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी सांसद आजम खान की विधायक पत्नी तजीन फातिमा की रिहाई पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। एक ट्वीट के जरिए उन्होंने विधायक तजीन फातिमा की रिहाई को इंसाफ पर एतबार करने वालों की जीत बताया।

अखिलेश यादव ने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा-रामपुर के सांसद आज़म खान जी की पत्नी तज़ीन फ़ातिमा जी की ज़मानत ने साबित कर दिया है कि नफ़रत की सियासत करनेवाले आख़िर में सच के आगे हारते हैं। भाजपा झूठ के जिस रास्ते पर चल रही है वो अन्याय की ओर जाता है और पतन की ओर ले जाता है। ये इंसाफ़ में एतबार करनेवालों की जीत है। इसके पहले सोमवार शाम विधायक तंजीन फातिमा को सीतापुर जेल से रिहा कर दिया गया गया था। तंजीन फातिमा को 34 मामलों में जमानत मिल गई है। जेल से बाहर आने के बाद विधायक तजीन फातिमा ने कहा कि जेल में उन्हें कोई सुविधा नहीं मिलती थी। जैसे आम कैदी रहते थे वैसे ही खाना, पीना, रहन-सहन सामान्य कैदियों की तरह था। उन्होंने कहा कि वह सरकारी कालेज में प्रोफेसर थीं। क्या अचानक से इतनी बड़ी क्रिमिनल हो गईं। रामपुर के सांसद आज़म खान जी की पत्नी तज़ीन फ़ातिमा जी की ज़मानत ने साबित कर दिया है कि नफ़रत की सियासत करनेवाले आख़िर में सच के आगे हारते हैं. भाजपा झूठ के जिस रास्ते पर चल रही है वो अन्याय की ओर जाता है और पतन की ओर ले जाता है. विधायक तजीन फातिमा, अपने पति सांसद आजम खान और छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ (26 फरवरी से) दस महीने जेल के महिला बैरक में रहीं। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज सभी 34 मामलों में जमानत दे दी है। उन्होंने कहा, मैं 10 महीनों के बाद जेल से रिहा हुई हूं, इसका पूरा श्रेय मैं न्यायपालिका को देती हूं, न्यायपालिका ने मेरे साथ इंसाफ किया। मैं सरकारी कॉलेज में प्रोफेसर थी. मेरी सत्य निष्ठा सरकारी अधिकारियों ने प्रमाणित की है। मैं अचानक इतनी बड़ी क्रिमिनल हो गई। उन्होंने बताया कि रिहाई के समय आजम खान से उनकी कोई मुलाकात नहीं हुई।

आजम खान पर चल रहे हैं 85 मामले

-सांसद आजम खान के खिलाफ 85 मामले चल हैं। इनमें से 73 में चार्जशीट लग चुकी है। 12 में विवेचना चल रही है। उनकी पत्नी विधायक तजीन फातिमा के खिलाफ कुल 34 मुकदमे दर्ज हैं। 32 मुकदमों में पहले ही जमानत मिल गई थी। अब जौहर यूनिवर्सिटी के लिए शत्रु संपत्ति को कब्जाने और रामपुर पब्लिक स्कूल के लिए धोखाधड़ी कर एनओसी लेने के मामले में भी जमानत मिली है। इसके बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया है।

सम्पादकीय

साफ संदेश बनाम विरोधी स्वर

हम दिलचस्प समय में रहते हैं। भारत में राजनीतिक विरोध, जिसने पिछले छह वर्षों में बार-बार चुनावी विफलताओं का सामना किया है, उसे उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में चल रहे किसान आंदोलन के मद्देनजर एक मौका महसूस हो रहा है। विरोध कर रहे नेता संसद में चर्चा के बाद पारित किए गए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। विशेष रूप से पिछले कुछ दिनों में विरोध ने एक बदसूरत व्यक्तिगत मोड़ ले लिया है। कुछ लोग सीधे प्रधानमंत्री पर निशाना साध रहे हैं। इन विरोधों के बीच भारत का राजनीतिक पैमाना क्या कह रहा है? जमीन पर लोगों की भावना क्या है? भारत के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से आए चार चुनाव परिणाम सामने हैं, जो सच की झलक दिखा रहे हैं। आइए, सबसे पहले हम भारत के उच्च प्रौद्योगिकी वाले शहर हैदराबाद का मुआयना करते हैं। नवंबर के मध्य में विपक्ष को घेरने के लिए तेलंगाना सरकार ने जीएचएमसी चुनावों की तारीख 1 दिसंबर घोषित कर दी थी। यह स्पष्ट था कि विपक्ष (यानी भारतीय जनता पार्टी) को घेरने की पूरी तैयारी थी, ताकि उसे जनता से संवाद करने का ज्यादा मौका न मिले और चुनाव जीत लिया जाए। ऐसे में, चुनाव अभियान संक्षिप्त, पर उच्चस्तरीय था। और जब चुनाव परिणाम आए, तो उसने राजनीतिक टिप्पणीकारों को चौंका दिया और तेलंगाना राजनीति की दिशा बदलने का इरादा भी जाहिर कर दिया। वर्ष 2015-2016 के जीएचएमसी चुनावों में मात्र चार सीटें जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी रिकॉर्ड 48 सीटों तक पहुंच गई। पिछली बार के विपरीत पार्टी ने अपने बूते चुनाव लड़ा। पिछली बार भारतीय जनता पार्टी ने तेलुगु देशम पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन इस बार पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरी। तेलंगाना राष्ट्र समिति यानी टीआरएस निगम में 99 सीटों से गिरकर 56 पर आ गई। हैदराबाद में भाजपा के मत प्रतिशत में भी काफी वृद्धि हुई है। भारतीय जनता पार्टी ने गरीब, मध्य वर्ग के बीच खासकर अच्छा प्रदर्शन किया और उन क्षेत्रों में भी, जहां बाढ़ राहत को लेकर राज्य सरकार की उदासीनता सामने आई थी। हैदराबाद की यह जीत इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि तेलंगाना में भाजपा कभी भी ताकत नहीं थी। यहां साल 2018 के अंत तक कांग्रेस ही मुख्य विपक्षी पार्टी थी। हैदराबाद स्थानीय चुनाव और डब्बक विधानसभा सीट पर हुए उप-चुनाव में मिली जीत ने भाजपा को 2023 विधानसभा में चुनाव जीतने की दौड़ में मजबूती से ला खड़ा किया है। चूंकि जीएचएमसी के चुनाव को कागजी मतपत्र के उपयोग से आयोजित किया गया, अतः भाजपा के विरोधियों को ईवीएम का बहाना भी नहीं मिला। यदि हैदराबाद में भाजपा का शहरी स्तर पर विस्तार एक कहानी कहता है, तो राजस्थान के ग्रामीण परिदृश्य को भी देख लेना चाहिए। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार मजबूती से कायम है और विधानसभा चुनाव अभी तीन साल दूर हैं। यहां जब जिला पंचायत और पंचायत समिति के चुनाव हुए, तब जमीन पर यही विचार था कि कांग्रेस अपने विरोधियों को बुहारकर बाहर कर देगी। यहां भी चुनाव परिणाम आश्चर्यजनक निकले। अब भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के 13 जिलों में काबिज है और अब कांग्रेस के पास केवल पांच जिले हैं। प्रदेश कांग्रेस समिति के मुखिया हों या राज्य सरकार के शीर्ष मंत्री और यहां तक कि सचिन पायलट के क्षेत्र, कांग्रेस का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। इसके बाद हुए शहरी चुनावों में भी भाजपा का संघर्ष उत्साहजनक रहा। राजस्थान में वोट करने वाले मतदाता मोटे तौर पर किसान, ग्रामीण जन और मजदूर थे। राजस्थान के कुछ हिस्सों में किसान विरोध या आंदोलन के स्थान भी हैं। फिर भी, जो चुनाव परिणाम सामने आए हैं, सभी के देखने योग्य हैं। उधर, असम के लोग भी अपनी कहानी साझा करने का इंतजार कर रहे थे।

बातचीत से ही समस्या दूर होगी, आंदोलन से नहीं

सुरेश गांधी

कृषि कानून को लेकर किसानों के तेवर कम होने का नाम नहीं ले रहे। किसान ठंड में सड़कों पर डटे हैं। सरकार की ओर से भी कोई बीच का रास्ता नहीं निकल रहा। किसानों के आंदोलन के गतिरोध को खत्म करने के लिए सरकार लगातार माथापच्ची कर रही है। लेकिन विपक्ष है कि इसे तूल देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही। मतलब साफ है बातचीत से ही समस्या दूर होगी, आंदोलन से नहीं। नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे किसान आंदोलन को 23 दिन हो चुके है। सरकार, विपक्ष और किसानों के टकरार को देखते हुए सप्रीम कोर्ट भी चाहता है कि किसान अपना प्रदर्शन भी करे और लोगों के अधिकारों का उलंघन भी न हो। उसका मानना है कि कोई भी विरोध तब तक संवैधानिक है जब तक कि वह किसी संपत्ति को नष्ट नहीं करता और किसी के जीवन को खतरे में नहीं डालता।

कोर्ट का सुझाव है कि केंद्र और किसानों को आपस में बात करनी होगी। जबकि किसान की हठ सही नहीं है। अगर सरकार पीछे हटी तो संसद, कानून, संविधान और लोकतंत्र की गरिमा को आघात लगेगा। भविष्य में किसी भी कानून के क्रियान्वयन को रोकने, पुराने कानूनों को रद करने के लिए लोग इसी तरह इस प्रकरण का हवाला देकर सड़कों पर उतरते रहेंगे। जहां तक किसान आंदोलन का सवाल है तो यह पूरी तरह विपक्ष की घेराबंदी से अधिक कुछ भी नहीं है। इसका पता इससे चलता है कि सरकार के साथ वार्ता के दौरान मंत्रियों के बोलना शुरू करते ही वे उनकी ओर पीठ करके बैठ जाते हैं। क्या ऐसे हठधर्मिता भरे रवैये को देखकर यह कहा जा सकता है कि किसान नेताओं की दिलचस्पी समस्या के समाधान में है? एक अरब से अधिक आबादी वाले देश में चंद लोगों की आपत्तियों पर किसी कानून के अमल को रोकना हर लिहाज से एक बुरा विचार है। इससे बचा जाना चाहिए।

क्योंकि किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के उद्देश्य से लाए गए इस कानून का विरोध कांग्रेस और कुछ अन्य दल राजनीतिक स्वार्थ के चलते कर रहे हैं। देखा जाएं तो देश के किसानों के हितों और उनकी स्थिति में सुधार को लेकर जितना काम बीते पांच-छह साल में हुआ है, उतना उससे पहले कभी नहीं हुआ। खेती-किसानी की लागत कम करने से लेकर उनके लिए बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार की तरफ से निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। वास्तव में आज की तारीख में ये सभी दल अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं और जनता का विश्वास उन पर से उठ चुका है। इसलिए मुद्दों से विहीन ये पार्टियां कृषि कानूनों को मुद्दा बनाकर अपना अस्तित्व बचाने की कोशिश में किसानों के कंधे पर बंदूक रखकर चला रही हैं। जबकि सत्ता में रहते हुए कांग्रेस के नेतृत्व में इन्हीं दलों ने कृषि और मंडी कानूनों में बदलाव की शुरूआत की थी, जिसे मौजूदा सरकार ने केवल परिणति तक पहुंचाया है। अगर 2014 से पूर्व मंडी कानून में बदलाव किसानों के हित में थे तो 2020 में ये किसान विरोधी कैसे हो गए? कृषि कानूनों के विरोधी तर्क दे रहे हैं कि इनसे देश में खेती-किसानी बर्बाद हो जाएगी और किसान अपनी जमीनों से वंचित हो जाएंगे। साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के रूप में किसानों को प्राप्त समर्थन मूल्य का सहारा भी समाप्त हो जाएगा। जबकि सच्चाई यह है कि इन तीनों में से किसी भी कानून में यह कहीं नहीं लिखा है कि इनके लागू होने से 23 प्रकार की फसलों के लिए जारी होने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था समाप्त हो जाएगी।

केंद्र सरकार की तरफ से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि सरकारी मंडी की व्यवस्था पहले की तरह बनी रहेगी। अगर सरकार की मंशा एमएसपी को बनाए रखने की न होती तो बीते पांच-छह वर्षों में विभिन्न फसलों की एमएसपी में इतनी वृद्धि न हुई होती। चूंकि एमएसपी पर गेहूं और धान की सर्वाधिक खरीद पंजाब और हरियाणा में होती है इसलिए इन राज्यों के किसानों में इसकी आशंका भी अधिक है। उनकी इसी आशंका को भाजपा के राजनीतिक विरोधी हवा दे रहे हैं। तकरीबन यही स्थिति मंडी कानून में हुए बदलाव को लेकर भी है। मंडी कानून में बदलाव कर सरकार की मंशा किसानों को उनकी उपज बेचने के लिए अधिक विकल्प प्रदान करना है, ताकि किसान अपनी फसलों की बिक्री के लिए केवल मंडी के आढ़तियों पर आश्रित न रहें। इससे किसान न केवल अपनी फसलों के लिए बेहतर मूल्य हासिल कर सकेंगे, बल्कि अपनी शर्तों पर सौदा करने में सक्षम भी होंगे। खुद कांग्रेस ने 2004 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद मंडी कानून में बदलाव पर चर्चा शुरू की और इसे किसानों के लिए फायदेमंद बताया था। आज इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधने वाले शरद पवार का राज्यों के साथ 2010 और 2011 में हुआ पत्र-व्यवहार इस बात का गवाह है कि उस वक्त की कांग्रेस सरकार मंडी कानून यानी एपीएमसी (कृषि उत्पाद विपणन समिति) एक्ट में बदलाव के लिए राज्य सरकारों पर दबाव बना रही थी। केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उस वक्त इस आशय का एक मॉडल कानून भी राज्यों को भेजा था। विभिन्न संगठनों समेत इस मुद्दे पर सार्वजनिक चर्चा की प्रक्रिया भी तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ही शुरू की थी।

इसी तरह विपक्षी दल कांट्रैक्ट फार्मिंग को लेकर भी किसानों को भड़का रहे हैं। जबकि सच्चाई यह है कि इस प्रावधान के तहत किसानों को अपनी पैदावार का सौदा ही कंपनियों के साथ करना है, जमीन का नहीं। ऐसे में उनकी जमीन छिनने का सवाल ही पैदा नहीं होता। जहां तक किसान हितों के लिए मौजूदा सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का प्रश्न है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार के कृषि बजट से ही स्पष्ट हो जाता है। केंद्र का कृषि बजट पांच साल में 12,000 करोड़ रुपये से बढ़कर आज 1,34,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। केंद्र सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य ही नहीं, बल्कि कृषि के बजट को भी उसके अनुरूप बढ़ाया है। कांग्रेस को यह पता होना चाहिए कि भाजपा शासित राज्यों में किसानों के लिए किस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं? उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने गन्ना किसानों के बकाए का शत-प्रतिशत भुगतान किया है। वह भी पेराई सीजन शुरू होने से दो महीने पहले।

इसके अतिरिक्त किसानों को तीन लाख रुपये तक और स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत अब तक चार लाख से अधिक किसानों और 1330 समूहों को 2062 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। कहने का अभिप्राय यह है कि इस विरोध-प्रदर्शन के बीच हमें यह भी विचार करना होगा कि अतीत की नीतियों के सहारे भविष्य की ओर नहीं बढ़ सकते। यह आवश्यक नहीं कि पहले जो नीति सही थी वह आज भी उपयुक्त हो।

भारत के कुल किसानों में से 85 प्रतिशत छोटे एवं सीमांत किसान हैं। ये भी खाद्यान्न खरीदते हैं। इसके अलावा ग्रामीण आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा भूमिहीन मजदूरों का है। यह स्पष्ट है कि अधिक एमएसपी से महंगाई बढ़ती है जो इन सभी वर्गों को प्रभावित करती है। शहरी गरीबों पर भी इसकी मार पड़ती है। जबकि इसका लाभ ग्रामीण क्षेत्र के एक बहुत छोटे से वर्ग को मिलता है, क्योंकि एमएसपी का लाभ कुछ ही किसानों को मिल पाता है। यही नहीं, बाजार से अधिक कीमत और सरकारी मंडी में खरीद का आश्वासन इन किसानों को और अधिक गेहूं और धान बोने का प्रोत्साहन देता है। परिणामस्वरूप भारतीय खाद्य निगम के पास खरीदे गए अनाज को रखने तक की उचित व्यवस्था नहीं होती। साथ ही सरकारी खजाने पर 1,50,000 करोड़ से अधिक का बोझ पड़ता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कृषि उत्पादन एवं विपणन समिति यानी एपीएमसी से जुड़े कानून में संशोधन भी समय की मांग है। आप देश की किसी भी मंडी में जाकर देख सकते हैं कि कैसे पल भर में किसानों की उपज का मनमाने दामों पर सौदा हो जाता है। इससे कमीशन एजेंटों को तो बढ़िया फायदा मिल जाता है, लेकिन किसान अपेक्षित लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में एपीएमसी कानून में सुधार से किसानों के लिए आवश्यक विकल्पों का बढ़ना तय है और इससे खरीदारों के बीच प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। इसी तरह अनुबंध खेती से जुड़े कानून भी किसानों को राहत पहुंचाएंगे।

माँ अब डर लगता है

माँ मुझे बस अपने आँचल की छांव में ही रख ।
दुनिया -जमाने से अब डर लगता है ।।
माँ मुझे अपने पास ही रहने दे ।
तेरे पास ही अब महफ़ूज़ लगता है ।।
माँ मुझें दिल्ली,हैदराबाद,हाथरस न जाने देना ।
अब दुनिया के हर शहर से डर लगता है ।।
माँ मुझे तेरी रात की लोरी से ही नींद आती है ।
रात के अंधेरो से अब डर लगता है ।।
माँ ये देश,आजाद तो हो गया है ।
पर मुझे इस देश की सरसराहट से डर लगता है ।।
माँ भरोसा करू भी तो ,किस पर करू ।
हर एक पुरूष से अब, डर लगता है ।।
माँ अपनी गलियों के वो कुत्ते ही अच्छे है ।
उन शिकारियों से ,अब डर लगता है ।।।
माँ उन हैवानो का शिकार न बन जाऊँ कही ।
घर से निकलने में अब,डर लगता है ।।
माँ मुझको तेरी आँचल की छांव में ही रहने दे ।
इनकी ऐसी हैवानियत से अब,डर लगता है ।।

डॉक्टर प्रिया पचौरी
वेटनरी कॉलेज जबलपुर (मध्यप्रदेश)

साहिल

हम जो उतरे सागर में साहिल पे खड़े लोग देखा किए ,
मौजों ने लगाया पार हमें साहिल ने फिर मझदार में ला खड़ा किया ।
ना -खुदा के ज़ुल्मों - सितम का करूं क्या मैं बयां ,
सितम तो मुझ पर अपनों ने ही किये ।
माना कि हम दो किनारे हैं दरिया के मिलना मुमकिन नहीं
चलते हैं साथ ये भी तो कम नहीं ।
रहते हो ख़्वाबगाह में भी किनारे की तरह ,
एक किनारा खामोश और एक सिसका किए ।
फ़ना हो कर इश्क में तुम्हारे तड़फते रहते हैं रात भर
यूं ही तेरी आंखों के समुन्दर में डूब जाने के लिए ।
सारा जहां बेशक कर ले किनारा तुझसे मेरा साथ ना छुटेगा
दो किनारों सा है प्यार हमारा संग रहा , संग रहेगा ।
लहर नहीं मैं कश्ती हूं प्यार के समुन्दर की, लहर तो आकर लौट जाती है,
कश्ती किनारे का साथ सदा रहता है ।
नहीं होश कोई हम दोनों को ,इस प्यार की उफ़नती नदी का
पानी मदहोश किए जाता है छु कर तुझे , मुझे आ छुता है ।
हम दो किनारे मिलकर बिछड़ने के लिए , बिछड़ कर मिलने के लिए ,
ये लहरें कुछ तुमसे ले आती हैं , कुछ मुझको दे जाती हैं ,
यही तो हमारा प्रेम है , दो किनारों का अमर प्रेम ।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

अब आटा गीला करने लगी महंगाई

महंगाई के खिलाफ आम जनता की जद्दोजहद खत्म होती नहीं दिख रही है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि खुदरा मुद्रास्फीति दर नवंबर में पिछले तीन महीने में सबसे कम 6.93 फीसदी थी, जबकि अक्तूबर में यह छह साल की सबसे ज्यादा 7.61 फीसदी हो गई थी। इस लिहाज से उपभोक्ता वस्तुओं के दाम में कमी आनी चाहिए थी। मगर असलियत में दाल-सब्जियों की कीमतें आज भी ऊंची हैं। महंगाई की इस टीस को रसोई गैस की कीमत और गहरा कर रही है, जिसमें पिछले एक महीने में 100 रुपये तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। पेट्रोल-डीजल के भाव भी चढ़ते रहे हैं, जिसके कारण लोग खुद को चौतरफा मुश्किलों में घिरा पा रहे हैं। आखिर महंगाई के यूं बढ़ने की वजह क्या है? इसका एक बड़ा कारण तो नीतिगत मोर्चे पर सरकार की चूक है। वह 'मैक्रोइकोनॉमिक्स एडजस्टमेंट' में सफल नहीं हो पा रही है। 'मैक्रोइकोनॉमिक्स एडजस्टमेंट' का अर्थ है, देश की अर्थव्यवस्था में बन आए असंतुलन को दूर करना। यह असंतुलन एक या अधिक क्षेत्रों में आपूर्ति व मांग में महत्वपूर्ण अंतर पैदा होने या अन्य उल्लेखनीय गड़बड़ियों की वजह से पैदा होता है। इसे कोई निजी कंपनी संतुलित नहीं कर सकती। यह सरकार की ही जिम्मेदारी है। यह असंतुलन आमतौर पर अर्थव्यवस्था में संसाधनों की आपूर्ति से दूर होता है, जिसके लिए संसाधन जुटाना जरूरी है। इसके लिए सरकार अतिरिक्त कर लगाकर या अन्य जरूरी उपाय करके अपना राजकोष बढ़ाती है और फिर उसका इस्तेमाल करती है। बेशक, कोरोना संक्रमण काल में लोगों की जान बचाने के लिए राजकोष पर बोझ बहुत बढ़ गया है, लेकिन जब जनता कड़वे घूंट पी रही है, तो फिर सरकार क्यों खुद पर इसे लागू करने से बच रही है? उसे भी अपने खर्च को सीमित करके संसाधन में वृद्धि करनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने की एक वजह नए कृषि कानूनों पर जारी रस्साकशी भी है। साग-सब्जियों व खाद्यान्न के उत्पादक किसान ही हैं। ये नए कानूनों का समर्थन नहीं कर रहे। नए कानून निश्चय ही फायदेमंद हैं। इन पर पिछले पांच-सात वर्षों से चर्चा हो भी रही थी। मगर इनको लागू करने का अभी सही वक्त नहीं है। पिछले दिनों देशव्यापी लॉकडाउन से हम गुजरे हैं। इससे हमारे उत्पादन और परिवहन पहले से ही नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। इसलिए अभी किसानों की नाराजगी मोल लेना उचित नहीं था। उत्पादों की बाजार तक आपूर्ति का बुनियादी आधार यही किसान हैं। उनके आंदोलन की वजह से फसल-उत्पादन और परिवहन पर असर पड़ रहा है, जिसके कारण शहरी बाजारों में जरूरत के हिसाब से सामान नहीं पहुंच रहे हैं। चरणबद्ध तरीके से अनलॉक किए जाने से भी बाजार प्रभावित हुआ है। अहमदाबाद का मेरा एक दोस्त, जो खेती-बाड़ी से जुड़ा है, कहता है कि पहले चार-पांच बजे तक वह अपने उत्पाद लेकर बाजार जाता था और शाम ढलते-ढलते उनको बेचकर लौट आता था। मगर अब छह बजे तक बंदी होने की वजह से उसके लिए बाजार जाना मुश्किल हो गया है। जाहिर है, यह समस्या अन्य किसानों की भी होगी। जहां तक पेट्रो उत्पादों और रसोई गैस की कीमतों की बात है, तो मुक्त बाजार होने की वजह से पेट्रो उत्पादों के भाव हमारे नियंत्रण में अमूमन नहीं हैं। ये खाड़ी के देश तय करते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनके दाम चढ़ेंगे, तो अपने यहां भी ये उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों पर मिलेंगे। फिर भी, रसोई गैस जैसे जरूरी उत्पादों की कीमतें कम होनी ही चाहिए। इन उत्पादों की कीमतों में संतुलन बनाने के लिए रसोई गैस के दाम कम और पेट्रोल के बढ़ा देने चाहिए। अगर ऐसा करना मुनासिब न हो, तो पेट्रोल-डीजल के दाम अभी कुछ हद तक सरकार नियंत्रित कर सकती है और अगले साल इनकी कीमतें बढ़ाकर असंतुलन दूर कर सकती है। इससे एक बड़ी आबादी इस वक्त राहत महसूस करेगी।

बढते चलो

शिकस्त मिले जीवन पथ पर,
पर रूको नहीं बढ़ते चलो
क्या छूट गया क्या पाओगे ये? सोचो नहीं बस चलते चलो
नये रिश्ते कुछ जुड़ जायेंगे,
हैं अपने वो? बिछड़ जायेंगे
मिलेंगे कुछ अनुभव नये,
सीखते हुए दिन निकल जायेंगे
माना कुछ यादों के सिलसिले जारी रहते हैं जीवन भर
पर जीवन कहां रुकता है कभी तो भूलो सब और बढ़ते चलो
फैला कर इच्छाओं के पंख निकलो अपने आसमान में
छोड़ो गुजरी बातों को उड़ते चलो,बढ़ते चलो
कुछ वादे थे जो निभे नहीं,
कुछ सपने थे जो मिटे नहीं
पर बदल गया है सबकुछ अब तो भूलो सब और चलते चलो
जी चुके हो अपने लिए तो जी लो थोड़ा सबके लिए
वक्त गुजर रहा है अब सोचो नहीं ? चलते चलो
शिकस्त मिले जीवन पथ पर,पर रुको नहीं बढ़ते चलो
क्या खोया क्या पाओगे ये सोचो नहीं बस चलते चलो।

स्वरचित शारदा बरसैंया
मनेंद्रगढ़

मोट्यांरा सावचेत रिज्यो

उत्तरादी री ठंठार आवे,
चालता ने ही चक्कर आवे है।
गाल, कनपटी, मंगर, गुद्दी,
नाक, सगला शीत में आवे है।
मोट्यांरा सावचेत रिज्यो,
सियाला में कान घणा सुंसावें है

दरख्ता रां पत्ता बलगा, जड़ा मा स्यूं भंपोड़ निकलेगा।
कुत्ता, बिल्ली, गांया, भेंस्यां, मोर घणा कोकावे है।
मोट्यांरा सावचेत रिज्यो, सियाळा में कान घणा सुंसावें है
सियाला में काती नांवां, बेगा उठ कर भजन गांवां।
ओ पुण्य मैं नी कमावां, सांवरा आ ठंड क्यों बरसावे है।
मोट्यांरा सावचेत रिज्यो, सियाळा में कान घणा सुंसावें है !
मसोड़ में ही चाय मंगावे, दोपहर दिन हुया बाद में नावे।
गुदड़ा मा स्यूं बारे निकलया, सूरज माथे ऊपर आवे है।
मोट्यांरा सावचेत रिज्यो, सियाला में कान घणा सुंसावें है !
स्कूलां का काम खोटा, हाथ पग धोर जावे टाबर छोटा।
मास्टर पूछे नायो कोनी,मास्टर ने छोरा सगळी बात बतावे है
मोट्यांरा सावचेत रिज्यो, सियाळा में कान घणा सुंसावें है !

भगवान सिंह चारण
अम्बेसुत,डीडवाना राजस्थान

यह कैसा किसान आंदोलन?

भ्रष्ट होती राजनीति आज देश को पतन की ओर ढकेल रही है। जो पार्टियां चुनाव में जनता के द्वारा नकार दी जाती हैं, वह सत्तारूढ़ पार्टी के द्वारा बनाए गए हर कानून का विरोध करती नजर आती हैं। जब आर्टिकल 370 हटाया गया, सीएए बनाया गया और अब नया कृषि कानून बनने पर भी ये सभी विरोधी पार्टियां विरोध में ही खड़ी नजर आ रही हैं। लोकतंत्र की व्यवस्था में विरोधी पार्टियों का होना बहुत जरूरी है ताकि सत्तारूढ़ पार्टी निरंकुश होकर मनमानी न कर सके और उसके द्वारा उठाए गए गलत कदमों का संसद में विरोध हो सके, किंतु अब तो समस्या यह होती जा रही है कि ये विरोधी पार्टियां सरकार को कोई काम ही नहीं करने देना चाहतीं। ये नहीं चाहतीं कि सरकार की अच्छी छवि जनता के बीच बने और इसलिए उसके हर कदम की भरपूर निंदा और विरोध करने पर तुली रहती हैं। विरोधी पार्टियों के इस रवैये के कारण न तो देश का विकास संभव है और न ही देश की बड़ी-बड़ी समस्याओं का निराकरण। इसलिए अब तो लगता है कि शासन व्यवस्था का यह रूप देश के आजकल देश में किसान आंदोलन जोरों पर है, किंतु इस आंदोलन का जो स्वरूप सामने आ रहा है उससे लगता है कि ये आंदोलन किसान आंदोलन न होकर एक राजनीतिक स्वार्थ से भरा आंदोलन बनकर रह गया है। आंदोलन के नाम पर आजकल दिल्ली और सरकार को घेरने का ट्रेंड चल गया है। किसानों को अन्नदाता कहकर उनसे झूठी हमदर्दी दिखाने वाले क्या सचमुच अन्नदाता का भला चाहते हैं? यदि ऐसा है तो उन्हें अधिक लाभ कमाने के अवसर देने के खिलाफ क्यों खड़े हैं? किसानों के मन में अनेकों भ्रम और शंकाएं पैदा की जा रही हैं, किंतु जो सच्चा किसान है वह वास्तविकता को समझता है और इसीलिए आज पंजाब और हरियाणा के अलावा देश के दूसरे हिस्से के किसान इस आंदोलन में शामिल नहीं हैं। यह आंदोलन का कैसा विकृत रूप है जहां कुछ महिलाएं देश की जनता द्वारा चुने हुए प्रधानमंत्री की मृत्यु के गाने गा रही हैं। देश विरोधी लोगों के पोस्टर लगाना, खालिस्तान के पोस्टर लगाना यह दर्शाता है कि इस किसान आंदोलन को अब अल्ट्रा लेफ्ट संगठनों ने हाईजैक कर लिया है। स्वार्थी तत्व किसानों के कंधे पर रखकर बंदूक चलाने की फिराक में हैं और देश को हिंसा की आग में झुलसाने की चाल चली जा रही है। आज जो नेता नये कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए पंजाब के किसानों के साथ खड़े दिखाई देते हैं उन्हीं में से कई नेता पहले इन्हीं कानूनों की प्रशंसा कर रहे थे। ये नेता केवल किसान आंदोलन का फायदा उठाकर चुनाव जीतना चाहते हैं। कांग्रेस खुद ही पूर्व में एम पी एम सी एक्ट में सुधार करने की बात करती रही है। अपने ही घोषणा पत्र में जनता से किए हुए वादों को भुलाकर वह विरोध कर रहे किसानों के पक्ष में खड़ी है। विरोध करने वाले कुछ राजनेता पहले कहते थे कि कांट्रैक्ट फार्मिंग होगी तो किसान टेंशन फ्री हो जाएगा, किंतु अब कह रहे हैं कि कांट्रैक्ट फार्मिंग होगी तो पूंजीपति किसानों की जमीन पर कब्जा कर लेगा। ये पहले कहते थे कि प्राइवेट कंपनी आएंगी तो किसान मालामाल हो जाएंगे, अब कह रहे हैं कि किसान कंगाल हो जाएंगे। पहले कहते थे कि आढ़तिए किसानों को लूटते हैं, किंतु अब उन्हें किसानों का दोस्त बता रहे हैं।

इन स्वार्थी नेताओं का ये दोहरा चरित्र केवल अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण है, उन्हें देश और देश की जनता के भले की कोई चिंता नहीं है। अपने शासनकाल में तो इन्होंने किसानों की समस्या का निदान करने के लिए कोई कारगर कदम उठाया नहीं और अब जब मोदी सरकार देश के किसानों को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है तो ये सरकार का विरोध कर सरकार की छवि जनता के बीच खराब करने का प्रयत्न कर रहे हैं और इन कानूनों को किसानों के लिए काला कानून बता रहे हैं। सरकार बार-बार किसानों के साथ वार्ता कर रही है और उनकी शंकाओं तथा भ्रम को दूर करने का प्रयास व कानूनों में सुधार करने का आश्वासन भी दे रही है, किंतु पंजाब के किसान अपनी जिद पर अड़े हैं कि सभी कानून पूरी तरह निरस्त करने होंगे तभी वे आंदोलन वापस लेंगे। विदेशी ताकतें भी इस आंदोलन का फायदा उठाकर हमारे देश का अहित करना चाहती हैं और हमारे देश को बदनाम करना चाहती हैं। अभी तक देश के किसान परेशान होकर आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे थे, अब सरकार उनकी स्थिति सुधारना चाहती है और उन्हें लाभ कमाने के ज्यादा अवसर देना चाहती है तो कुछ स्वार्थी तत्व ऐसा होने नहीं देंगे। यह कानून पूरे देश के किसानों के लिए है और देश के केवल एक हिस्से के किसानों की बात मानकर देश के बाकी हिस्सों के किसानों को उनके उज्जवल भविष्य से वंचित करना कहां तक सही होगा?

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश

प्यारी आकाशी

अंगना में आने से जिसके आई थी बहार
चह चहाती है चिडियी जैसी वो जिसपे लुटाते हैं सभी प्यार।
माँ-पापा की आंखों का तारा है
दादी की प्यारी तो नानी की राजदुलारी वो कहलाती है।
नाना की जान जिसमे बसती है
वहीं मौसी ने भी माना उसे सारा जहान है।
मामा से मिलते आकाशी को बड़े उपहार हैं
क्योंकि सभी को नटखट आकाशी से बड़ा प्यार है।
आंगन में जब चिड़ियों सी वह चह चहाती है
सबके चेहरों पर मुस्कान जिसके हंसने से आती है।
छोटी है सबसे और घर की लाड़ली भी इसलिए सभी के हिस्से का प्यार भी वही पाती है।

साक्षी अर्पित गुप्ता
दबोह भिंड मप्र

हिमांशु और कनिका के सगाई की तस्वीरें आई सामने

राइटर हिमांशु शर्मा और बॉलिवुड की मशहूर स्क्रीनराइटर कनिका ढिल्लन की सगाई की तस्वीर सामने आई हैं। हाल में इनके इंगेजमेंट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर नजर आ रही हैं। पिछले काफी समय से हिमांशु और कनिका रिलेशनशिप में थे। हालांकि, हिमांशु शर्मा काफी समय तक स्वरा भास्कर के साथ रिलेशनशिप में भी रहे हैं और स्वरा ने हिमांशु के साथ सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें भी शेयर की थीं। कनिका ने भी इंस्टाग्राम पर अपनी और हिमांशु शर्मा की सगाई की तस्वीरें शेयर की हैं। कनिका ने अपने पोस्ट में यह भी बताया है कि कुछ खास नजदीकी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में नवंबर सगाई हुई थी। बता दें कि कनिका ढिल्लन भी बॉलिवुड की फेमस स्क्रीनराइटर हैं। उन्होंने कंगना की फिल्म 'जजमेंटल है क्या', अनुराग कश्यप की 'मनमर्जियां' और सुशांत सिंह राजपूत की 'केदारनाथ' जैसी कई फिल्मों की स्क्रीनराइटिंग की है। कनिका ने तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'हसीन दिलरुबा' का स्क्रीनप्ले भी लिखा है।

फ्लैट बेली दिखाती नजर आई जैकलीन फर्नांडिस

जैकलीन फर्नांडिस ने सोशल मीडिया पर अपनी एक ग्लैमरस तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। उनके एक हाथ में कैमरा नजर आ रहा है और दूसरे हाथ से अपना फ्लैट बेली दिखाती नजर आ रही हैं। जैकलीन की यह तस्वीर जिम के अंदर की है, जिसमें वह बेहद दिलकश पोज देती दिख रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए जैकलीन ने लिखा कि 'वे कहेंगे कि जैसे हो वैसे ही रहो और फिर बाद में वही जज करेंगे।' बता दें कि जैकलीन के कई गाने काफी हिट रहे जिसमें ऐल्बम सॉन्ग 'जीएफ-बीएफ' और 'मेरे अंगने में 2.0' शामिल है। इसके अलावा बादशाह के साथ 'गेंदा फूल' गाना भी काफी हिट रहा। वहीं, वर्कफ्रंट पर जैकलीन 'भूत पुलिस', 'बच्चन पांडे' और 'किक 2' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

अंकिता लोखंडे की ग्लैमरस तस्वीरें वायरल

अंकिता लोखंडे की हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में अंकिता ने बिना मेकअप के नजर आ रही हैं। अंकिता ने तस्वीरों के साथ कैप्शन दिया, 'मैं ओरिजिनल हूं और यह अपने आप में परफेक्शन है। ना मेकअप, ना हेयर स्टाइल।' इसके अलावा अंकिता ने कुछ गानों पर वीडियो बनाकर भी पोस्ट किए हैं, जोकि काफी वायरल हो रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने विकी जैन के साथ वकेशन की तस्वीरें पोस्ट की थीं। इस तस्वीरों में अंकिता ने टीशर्ट ड्रेस पहन रखी है। इस पर उनकी दोस्त अशिता धवन ने उनके लेग्स की तारीफ की है। बता दें कि अंकिता लोखंडे और विकी जैन रिलेशनशिप में हैं। हालांकि, इसकी दोनों ने कोई ऑफिशल घोषणा नहीं की, लेकिन दोनों एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पर अपना प्यार जताते रहते हैं। इसी साल जून में अंकिता लोखंडे और विकी जैन की इंगेजमेंट की खबरें आई थीं। खबर हैं कि दोनों जल्द शादी कर सकते हैं।

कृष्णा श्रॉफ ने नए बॉयफ्रेंड संग शेयर की तस्वीर

पिछले महीने टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ ने एबन हायम्स के साथ अपना रिलेशनशिप ऑफिशली खत्म कर लिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फैन क्लब्स से अपील की थी कि वे उन्हें एबन के साथ पोस्ट्स में टैग ना करें क्योंकि अब वे साथ नहीं हैं। अब कृष्णा ने अपने बॉयफ्रेंड नुसरत गोकसे के साथ एक पिक्चर शेयर की है। नुसरत एक तुर्किश शेफ हैं और उनका रेस्ट्रॉन्ट है। लेटेस्ट फोटो में कृष्णा अपने बॉयफ्रेंड को गालों पर किस करती नजर आ रही हैं और लुसरत सेल्फी लेते दिख रहे हैं। हालांकि, जिस चीज ने सभी का ध्यान खींचा, वह पोस्ट पर कृष्णा के एक्स बॉयफ्रेंड और प्रफेशनल बास्केटबॉल प्लेयर एबन का कॉमेंट। उन्होंने लिखा, 'तुम बहुत जल्दी मूव ऑन हो गई।' इसके आगे उन्होंने हंसने वाला इमोजी भी बनाया। इससे पहले नुसरत ने कृष्णा के भाई टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक पिक्चर शेयर की थी। इस कूल फोटो के साथ उन्होंने 'भाई' लिखा था।

ड्रग्स केस में एनसीबी नोटिस के कारण सारा अली खान 'हीरोपंती २' से ड्राप

सारा की जगह टाइगर श्राफ के अपोजिट तारा को किया कास्ट

ड्रग्स केस में जांच कर रही एनसीबी ने सारा अली खान से भी इस मामले में पूछताछ की थी, जिसके बाद उन्हें टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'हीरोपंती २' से निकाल दिया गया। सुशांत सिंह राजपूत के केस में एनसीबी ने दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर और रकुलप्रीत सिंह से भी पूछताछ की थी। कहा जा रहा है कि एनसीबी का नोटिस मिलने के बाद सारा अली खान के हाथ से एक फिल्म जरूर निकल गई है।

एक रिपोर्ट की मानें तो सारा अली खान को टाइगर श्रॉफ के ऑपोजिट 'हीरोपंती 2' में कास्ट किया जाना था, लेकिन अब उनकी जगह तारा सुतारिया को इस फिल्म में ले लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही सारा अली खान को एनसीबी का समन मिला प्रड्यूसर्स ने तुरंत ही उनका नाम ड्रॉप कर दिया। फिल्म के मेकर्स को डर था कि सारा के कारण फिल्म खतरे में पड़ सकती है। इसके बाद इस फिल्म में तारा सुतारिया को कास्ट कर लिया गया जिन्होंने टाइगर के ऑपोजिट ही 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। तारा और टाइगर के बीच तभी से बॉन्डिंग भी काफी अच्छी है। 'हीरोपंती 2' का डायरेक्शन अहमद खान करने जा रहे हैं और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। टाइगर श्रॉफ पिछली बार सुपरहिट फिल्म 'वॉर' में दिखाई दिए थे जबकि तारा सुतारिया फिल्म 'मरजावां' में सिद्धार्थ मल्होत्रा के ऑपोजिट दिखाई दी थीं।

करीना ने किया वरुण की सगाई का खुलासा कोरोना के कारण टल गई इस साल शादी

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने वरुण धवन की लव लाइफ से जुड़ा एक बड़ा खुलासा कर उनके फैंस को चौंका दिया है। करीना कपूर रेडियो पर एक चैट शो करती हैं जिसमें वो सेलेब्स से उनके जीवन से जुड़ी बातें करती हैं। हाल ही में गेस्ट के तौर पर इस शो का हिस्सा बने वरुण धवन। शो में करीना ने वरुण की सगाई का खुलासा किया। उन्होंने नताशा दलाल को वरुण की मंगेतर बताया। वरुण धवन ने भी नताशा दलाल और अपनी शादी को लेकर काफी चर्चा की। वरुण ने कहा- जब मैंने अपने भाई और भाभी को देखा, अपनी भतीजी नियारा को देखा, तब मुझे लगा कि शादी वाकई अच्छी होती है और मेरा शादी कर लेने का मन करने लगा।वरुण ने बेबो को बताया कि वो चाहते तो नताशा के साथ लिवइन रिलेशन में रह सकते थे मगर उनके परिवारवाले चाहते थे कि वो नताशा से शादी ही करें। वरुण ने कहा- नताशा के परिवारवालों को लिवइन में रहने से कोई आपत्ति नहीं है, वो काफी चिल हैं इस चीज को लेकर मगर मुझे लगता है कि एक समय के बाद आपको लगने लगता है कि अब आपको एक दूसरे के साथ रहना चाहिए। नताशा और मुझे लिवइन में रहने में कोई आपत्ति नहीं थी मगर मेरे परिवारवाले चाहते थे कि हम शादी कर के साथ रहें, क्योंकि अब मेरे पास खुद का घर भी है।

जासूस का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे शाहरुख

डिंपल-दीपिका भी फिल्म में आएंगी नजर

लंबे समय बाद बालीवुड एक्टर शाहरुख खान अब 'पठान' फिल्म में लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इस बात को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई मगर खबरें जोरों पर हैं कि शाहरुख, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम यशराज फिल्म की 'पठान' में साथ नजर आने वाले हैं। खबरों के मुताबिक 'पठान', 'एक था टाइगर' की तरह रॉ एजेंट पर आधारित फिल्म है जिसमें शाहरुख खान जासूस का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। अब खबरें ये आ रही हैं कि अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया भी 'पठान' फिल्म में नजर आएंगी। रिपोर्ट के अनुसार डिंपल कपाड़िया ने पठान फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डिंपल के एक नजदीकी सूत्र ने जानकारी देते हुए कहा- टेनेट फिल्म में अभिनय करने के बाद डिंपल के पास कई फिल्मों के ऑफर हैं। उन्हें पठान की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई है और उन्होंने इस फिल्म में काम करने के लिए तुरंत हां कर दिया।र जानकारी के मुताबिक फिल्म में डिंपल एक रॉ एजेंट का किरदार निभाएंगी जो फिल्म में शाहरुख की मदद करेंगी। मुंबई में उनकी शूटिंग का 20 दिन का शेड्यूल है। पठान के अलावा डिंपल सैफ अली खान की तांडव में भी नजर आएंगी। आज ही तांडव का टीजर रिलीज हुआ है जिसमें डिंपल का किरदार दमदार लग रहा है।

फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ भाषा में देशभर में 1000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर होगी रिलीज

'शकीला' में पॉर्न स्टार से सुपर स्टार बनेंगी रिचा चड्ढा, पंकज त्रिपाठी का भी होगा झटका

काफी लंबे इंतजार के बाद फाइनली रिचा चड्ढा और पंकज त्रिपाठी की आने वाली फिल्म 'शकीला' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म 90 के दशक की पॉप्युलर स्टार शकीला की असली कहानी पर आधारित है। ट्रेलर में शकीला से बचपन से लेकर उनके पॉर्न स्टार बनने और फिर सुपर स्टार बनने की कहानी है।

पंकज त्रिपाठी का किरदार इसमें ग्रे शेड वाला होगा और वह इसमें एक फिल्म स्टार की भूमिका निभा रहे है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे शकीला मुश्किलों का सामना करते हुए किसी तरह फिल्मों में काम करने लगती हैं और कुछ ही समय में वह सिनेमा के पर्दे पर छा जाती हैं और हर कोई उनका दीवाना हो जाता है। यह बात सुपर स्टार सलीम यानी कि पंकज त्रिपाठी को अच्छी नहीं लगती है और वह शकीला को परेशान करने की हर कोशिश में लगा रहता है। फिल्म का डायरेक्शन इंद्रजीत लंकेश ने किया है। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। बताया जा रहा है कि फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में देशभर के 1000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज किया जाएगा। यह लॉकडाउन के बाद रिलीज होने वाली रिचा चड्ढा की पहली फिल्म होगी।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

न्यूज. ब्रीफ

वैक्सीन तैयार करने में जुटे रूसी वैज्ञानिक की संदिग्ध स्थिति में मौत

मॉस्को। कोरोना वैक्सीन तैयार करने में जुटे रूसी वैज्ञानिक संदिग्ध स्थिति में मृत पाए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 45 साल के वैज्ञानिक अलेक्जेंडर साशा कगनस्की अपने फ्लैट की 14वीं मंजिल से नीचे गिरे थे। घटना के वक्त वह सिर्फ अंडरवियर में थे। पुलिस हत्या को लेकर मामले की जांच कर 45 साल के एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में भी लिया है। कथित तौर पर वैज्ञानिक के शरीर पर चाकू से हमले के निशान भी मिले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कगनस्की कोरोना वैक्सीन तैयार करने में जुटे थे और उनकी मौत अजीबोगरीब स्थिति में हुई है। हालांकि, यह साफ नहीं किया गया है कि वे कोरोना की किस वैक्सीन के ऊपर काम कर रहे थे। रूस की यूनिवर्सिटी में कगनस्की ने सेंटर फॉर जीनोमिक एंड रिजेनेरेटिव मेडिसिन के डायरेक्टर के पद पर भी काम किया था। रूसी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबक, पुलिस का मानना है कि फ्लैट की 14वीं मंजिल से नीचे गिरने से पहले वैज्ञानिक का किसी के साथ झगड़ा हुआ था। हाल ही में रूस सरकार ने उन्हें रिसर्च के लिए एक ग्रांट भी दिया था।

136.35 करोड़ की 27 परियोजनाओ का सीएम योगी ने किया लोकार्पण

मऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने सोमवार को 136.35 करोड की 27 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पूर्व की गैरभाजपा सरकारों का बिना नाम लिए कहा कि पूर्व की सरकारो के द्वारा योजनाओं का लाभ लोगों को चेहरा देखकर दिया जाता था। हमारी सरकार में जीरो टालरेंस की नीति अपनाकर लोगों को सरकारी योजनाओ के लाभ से लाभान्वित किया जा रहा है। कहा कि हमारी सरकार मे चाहे विकास कार्य हो या फिर लोगों की सुरक्षा का सभी में जीरो टालरेंस की नीति पर कार्य किया जा रहा है जिसमें बुल्डोजर स्ट्राईक से सूबे की जनता पूरी तरह से वाकिफ है। क हा कि हमारी सरकार में भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को प्रति जिस तरह की कार्यवाही की जा रही है उससे भ्रष्टाचारी और अपराधी सूबे से या तो बाहर है या फिर शुन्य मे है। बताते चले कि मुख्यमंत्री को जिले में आयोजित कार्यक्रम में 11 बजकर 50 मिनट पर पहुचना था लेकिन मौसम की खराबी के कारण पहुचने में हुई देर के प्रति किए गए इंतजार को लेकर मुख्यमंत्री ने जनता से धन्यवाद दिया।

पाकिस्तान के आरोपों को भारत ने सिरे से खारिज किया

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि पाकिस्तान के उन आरोप की विस्तृत जांच की गई कि भारतीय सैनिकों ने नियंत्रण रेखा के पास संयुक्त राष्ट्र की गाड़ी को जानबूझकर निशाना बनाया है। यह तथ्यात्मक रूप से गलत और झूठा पाया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों की अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफलता को छुपाने के लिए भारत के खिलाफ निराधार और मनगढ़ंत आरोप दोहराने की जगह अपनी चूक की जिम्मेदार तरीके से जांच करनी चाहिए। पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारतीय सैनिकों ने एलओसी से लगे चिरिकोट सेक्टर में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों के वाहन को निशाना बनाया। भारत सरकार के सूत्रों ने उसी दिन आरोपों को खारिज कर दिया था। पाकिस्तान के आरोपों पर मीडिया के सवालों के जवाब में, श्रीवास्तव ने कहा कि भारत ने पाकिस्तानी पक्ष को गलत बयानी पर अपनी जांच के निष्कर्ष और विचारों से अवगत करा दिया है। भारतीय बलों द्वारा 18 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र के गाड़ी को जानबूझकर निशाना बनाने के पाकिस्तान के आरोपों की विस्तार से जांच की गई है। यह तथ्यात्मक रूप से गलत और झूठा पाया गया। अग्रिम क्षेत्रों में तैनात हमारे सैनिक क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के सैन्य पर्यवेक्षकों के दौरे के बारे में अवगत थे और उन्होंने कोई गोलीबारी नहीं की, जैसा कि आरोप लगाया गया है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के दिसंबर 2023 अथवा जनवरी 2024 तक शुरू होने की उम्मीद

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का परियोजना कार्य तय समयानुसार प्रगति कर रहा है। पहली उड़ान दिसंबर 2023 अथवा जनवरी 2024 तक शुरू होने की उम्मीद है। सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। नोएडा जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (एनआईएएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुण वीर सिंह ने बताया कि विशाल परियोजना के चलते विस्थापित हुए तीन हजार से अधिक परिवारों के पुनर्वास का कार्य भी मई 2021 तक पूरा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी ने 18 दिसंबर को गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में बन रहे इस हवाईअड्डे के नाम, डिजाइन और लोगो (चिन्ह) को मंजूरी दी थी। स्विट्जरलैंड की निजी कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी को हवाई अड्डे के निर्माण का ठेका मिला है। वहीं, एनआईएएल प्रदेश सरकार की नोडल एजेंसी है जोकि परियोजना की प्रगति की निगरानी करेगी। हवाईअड्डे के लिए रियायत समझौते पर सात अक्टूबर को हस्ताक्षर किए गए थे और परियोजना के लिए मास्टर प्लान अगले 60 दिनों के भीतर प्रस्तुत किया जाना था। मास्टर प्लान को चार दिसंबर को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को उनकी टिप्पणी के लिए सौंपा गया।

कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने एक बार फिर की मोदी की तारीफ, बोले- संकट के समय एकजुट रहा देश

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने सोमवार को एक बार फिर से मोदी सरकार की तारीफ की है। शर्मा ने कहा है कि हाल के वर्षों में भारत ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी बढ़ाया है और इसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकार को एक साथ मिलकर काम करने के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि संकट के समय देश एकजुट रहा। उन्होंने कहा, भारत ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ोतरी की है और मैं इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को बधाई देता हूं क्योंकि उन्होंने इसके लिए मिलकर काम किया। उस समय देश संकट में था। उन्होंने आगे कहा कि दूसरी तिमाही में भारत ने वापसी की। पहली तिमाही अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब था, क्योंकि इसका जीडीपी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। शर्मा ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अन्य दो तिमाहियों में भी रिकवरी का संतुलन बना रहेगा। बता दें कि अप्रैल से जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में 23प्रतिशत की कमी आई थी, जबकि सितंबर की तिमाही में यह केवल 7.5प्रतिशत थी।

वैक्सीन को लेकर मोदी सरकार की तारीफ कर चुके हैं शर्मा

यह पहली बार नहीं है कि जब पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने मोदी सरकार की तारीफ की हो। इससे पहले, पिछले दिनों आनंद शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैक्सीन की तैयारियों का जायजा लेने की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीरम इंस्टीट्यूट, भारत बायोटेक और जाइडस कैडिला की यात्रा से भारतीय वैज्ञानिकों और कोरोना के खिलाफ वैक्सीन का उत्पादन करने के लिए उनके काम को पहचान और मान्यता मिली है। अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धा इससे और प्रोत्साहित होंगे। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने इस ट्वीट के लिए खेद व्यक्त किया था। उन्होंने दोबारा ट्वीट करते हुए लिखा था कि पहले ट्वीट में लाइनें गलत हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप कुछ भ्रम पैदा हो गए थे।

कांग्रेस का आधिकारिक रुख था अलग

वैक्सीन के लिए एसआईआई, भारत बायोटेक और जाइडस कैडिला के दौरे पर कांग्रेस का आधिकारिक रुख आनंद शर्मा के रुख से काफी अलग था। पार्टी ने प्रधानमंत्री के इस कदम को फोटो सेशन करार दिया था। रणदीप सुरजेवाला ने कहा था कि प्रधानमंत्री कंपनियों के दफ्तर में जाकर फोटो खिंचा रहे हैं और लाखों किसान दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। आनंद शर्मा उन 23 असंतुष्ट नेताओं के समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। इसमें कांग्रेस के भीतर संगठन के पूर्ण रूप से बदलाव की मांग की गई थी। वहीं, शनिवार को सोनिया गांधी ने आनंद शर्मा सहित सभी असंतुष्टों की एक बैठक की थी, जिसका उद्देश्य मौजूदा संकट को समाप्त करना था।

|नाराज भाजपा सांसद भेजेंगे तलाक का नोटिस|

पश्चिम बंगाल: सौमित्र खान की पत्नी टीएमसी में शामिल

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन उससे पहले ही राज्य में सियासत गर्माई हुई है। पश्चिम बंगाल में इन दिनों शह-मात का खेल चल रहा है। जहां एक तरफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कई नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। वहीं अब भाजपा से भी नेताओं का टीएमसी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है और इसकी शुरूआत की है भाजपा सांसद सौमित्र खान की पत्नी सुजाता ने। सुजाता ने सोमवार को भाजपा छोड़ टीएमसी का दामन पकड़ लिया है। सुजाता ने आज टीएमसी की सदस्यता ले ली है।

पत्नी को तलाक देने की तैयारी में सौमित्र खान

सुजाता के टीएमसी में जाने पर सौमित्र खान काफी नाराज हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक सौमित्र खान पत्नी सुजाता को तलाक देने पर विचार कर रहे हैं। वहीं सुजाता के घर की सुरक्षा में लगे जवानों को भी हटा दिया गया है। बताया जा रहा है कि सौमित्र खान और सुजाता के बीच पिछले कई दिनों से अनबन चल रही थी। घर की चारदीवारी में शुरू हुई पति-पत्नी की लड़ाई अब खुलकर सामने आ गई है और सुजाता ने झट से एक्शन भी ले लिया।

सुजाता मंडल ने भाजप पर निकाली भड़ास

टीएमसी में शामिल होने के बाद सुजाता मंडल ने भाजपा पर भड़ास निकाली। सुजाता ने कहा कि मै दलित महिला हू, मैंने भाजपा और अपने पति के लिए लड़ाई लड़ी थी, हमें टिकट मिला और लोकसभा मे हम जीते भी। सुजाता ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा में अब सिर्फ अवसरवादियों को जगह मिल रही है। सुजाता ने कहा कि हम तब लड़े जब हमारे पास कोई सुरक्षा भी नही थी लेकिन अब भाजपा में मेरे लिए कोई सम्मान नही है। सुजाता ने कहा कि अब मैं ममता बनर्जी के नेतृत्व मे लड़ाई लड़ूंगी। सुजाता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अभी से मुख्यमंत्री पद के लिए 6 दावेदार खड़े हो गए है और डिप्टी सीएम पद के 13 दावेदार। पार्टी कार्यकर्ताओं को ही नहीं पता कि हम किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे और भाजपा इस पर कोई जवाब दे भी नहीं रही है। सुजाता ने कहा कि चुनाव के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का चेहरा आगे किया जा रहा है। मोदी तो पीएम है और पीएम ही रहेंगे लेकिन पश्चिम बंगाल का सीएम कौन होगा, यह नहीं बताया जा रहा।

भावुक हुए सौमित्र खान

सौमित्र खान ने माना कि परिवार मे मतभेद चल रहे थे लेकिन सोचा नही था कि इसे राजनीतिक रूप दिया जाएगा। सौमित्र ने कहा कि मेरे भाजपा में शामिल होने के कारण सुजाता ने अपनी नौकरी खो दी थी लेकिन मुझे इस बात का दुख है कि उसने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओ के लिए टीएमसी को चुना। साथ ही सौमित्र ने कहा कि टीएमसी परिवार तोड़ सकती है, यह भी पता चल गया। उन्होंने कहा कि अब मैं सुजाता को अपने उपनाम से मुक्त करता हूं।

अधिकारी परिवार के तीन नेताओं का अब क्या होगा टीएमसी में भविष्य?

पश्चिम बंगाल की सियासत में बीजेपी अपना राजनीतिक किला और मजबूत करने में जुटी है. इसके लिए वे एक के बाद एक टीएमसी को झटका दे रही है। ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले शुभेंदु अधिकारी ने अपने सिपहसलारों के साथ बीजेपी का दामन थाम लिया है, लेकिन उनके पिता और भाई अभी टीएमसी में बने हुए हैं. ऐसे में शुभेंदु अधिकारी के भाई और पिता के सियासी भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे ममता के साथ रहेंगे या वे भी बीजेपी का दामन थामेंगे? शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के मजबूत सियासी परिवार से आते हैं। उनके पिता शिशिर अधिकारी 1982 में कांग्रेस के टिकट पर कांथी दक्षिण सीट से विधायक चुने गए, लेकिन बाद में उन्होंने ममता बनर्जी के साथ मिलकर टीएमसी का गठन किया. शिशिर अधिकारी डॉ. मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार में ग्रामीण विकास राज्यमंत्री रहे और मौजूदा समय में वो तमलूक लोकसभा सीट से सांसद हैं और पूर्वी मेदिनीपुर के जिलाध्यक्ष भी हैं। शुभेंदु के एक भाई दिव्येंदु अधिकारी कांथी लोकसभा सीट से टीएमसी के सांसद हैं जबकि उनके दूसरे भाई सौमेंदु अधिकारी कांथी नगरपालिका के टीएमसी से अध्यक्ष हैं। शुभेंदु के इन दोनों भाइयों ने टीएमसी नही छोड़ा है. टीएमसी नेता शुभेंदु पर राजनीतिक हमले तो कर रहे हैं, लेकिन उनके भाई और पिता को लेकर कोई कुछ बोलने को तैयार नही हैं। शुभेंदु अधिकारी के भाई और पिता बीजेपी में शामिल होते हैं तो उनकी लोकसभा की सदस्यता खत्म हो जाएगी. उन्हें सांसद बने अभी डेढ़ साल ही हुए हैं।

प्रशांत किशोर का ऐलान- अगर 99 से अधिक सीटें ले आई बीजेपी तो चुनावी रणनीतिकार का काम छोड़ दूंगा

पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। टीएमसी में शुभेंदु अधिकारी समेत कई नेताओं के इस्तीफे से मची खलबली के बीच अमित शाह के दौरे के बाद अगले ही दिन सियासी हलचल तेज है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को एक बार फिर से जीताने की कवायद में जुटे प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि बंगाल में भाजपा दहाई के आंकड़े के लिए भी संघर्ष करती दिखेगी। इतना ही नहीं, उन्होंने ऐलान किया है कि अगर भाजपा दहाई का आंकड़ा पार करती है तो वह ट्विटर छोड़ देंगे। इस बार बंगाल में टीएमसी के लिए रणनीति बनाने वाले चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर दावा किया, मीडिया के एक सेक्शन ने भाजपा को लेकर जरूरत से ज्यादा ही प्रचार प्रसार किया हुआ है। मगर वास्तविकता यह है कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी को दहाई के आंकड़ा पार करने में ही संघर्ष करना पड़ेगा। प्रशांत किशोर ने अपने उसी ट्वीट में एक तरह से भाजपा को चुनौती भी दी है। प्रशांत किशोर ने अपने इस ट्वीट को सेव करने की अपील की है और ऐलान किया कि अगर भाजपा का प्रदर्शन इससे बेहतर रहता है तो वह ट्विटर छोड़ देंगे। प्रशांत किशोर का यह ऐलान इसलिए भी अहम है, क्योंकि भाजपा ने बंगाल में मिशन 200 का लक्ष्य रखा है।

ओली सरकार के फैसले से बढ़ेगा नेपाल का संकट, हालात पर भारत और चीन की नजर

नई दिल्ली। नेपाल में संविधान भंग करने की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद के घटनाक्रम पर भारत की नजर बनी हुई है। नेपाल की राजनीति पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि संसद भंग करने का ओली सरकार का फैसला असंवैधानिक है। इससे नेपाल का सियासी संकट बढ़ेगा। जानकार मानते हैं कि ओली अंदरूनी सियासत में लगातार कमजोर पड़ रहे थे। उनकी पकड़ पार्टी में भी ढीली पड़ गई थी। संवैधानिक परिषद के मसले पर भी टकराव बढ़ गया था। प्रचंड से उनकी सियासी दूरी बढ़ती जा रही थी। इस्तीफे का दबाव भी उन पर था। विशेषज्ञ मानते हैं कि बहुमत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री द्वारा संसद भंग करने का प्रावधान नहीं है। जबतक संसद द्वारा सरकार गठन की संभावना है तब तक सदन को भंग नहीं किया जाना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक, नेपाल के नए संविधान में सदन भंग करने को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। प्रधानमंत्री का कदम असंवैधानिक है और इसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर भी संसद भंग करने का प्रावधान नहीं रखा गया था।

पूर्व राजनयिक जी पार्थसारथी ने कहा- राष्ट्रपति ने किन हालात में संसद भंग करने की सिफारिश स्वीकार की, यह कहना मुश्किल है, लेकिन नेपाल के हालात जटिल हैं, नेपाल की अस्थिरता भारत के लिए अच्छी नहीं है, लेकिन ओली की राजनीति जिस तरह की भारत विरोधी रही है उससे भविष्य के घटनाक्रम महत्वपूर्ण होंगे, भारत चाहेगा कि वहां चीन का दखल नहीं बढ़े। जी पार्थसारथी ने कहा कि ओली को अपने ही सहयोगियों से चुनौती मिल रही थी। वे चीन के ज्यादा निकट हो गए। उन्होंने भारत की सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी की। इसके चलते भी उनका नेपाल में विरोध हुआ था। पार्थसारथी ने कहा कि ओली एक तरह से चीन के पिट्ठू बन गए थे, जबकि भारत नेपाल का परंपरागत विश्वसनीय मित्र राष्ट्र हैं। भारत और नेपाल की सांस्कृतिक जड़ें काफी गहरी हैं।

हल्द्वानी में बिजली महकमें की लापरवाही के कारण करंट लगने से हुई हाथी की मौत

हल्द्वानी ■ एजेंसी

उत्तराखंड के हल्द्वानी में बिजली महकमे की एक लापरवाही के चलते एक हाथी की मौत दर्दनाक मौत हो गई है। हाथी की मौत की सूचना पर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। हल्दुचौड़ इलाके में एक हाथी की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि हाथी का बच्चा धर्मा गांव के एक खेत में मरा हुआ मिला। हाथी की मौत बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक हाईटेंशन लाइन जमीन के काफी करीब से गुजर रही है, जिसकी चपेट में हाथी आया और उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग से इसकी शिकायत की है, लेकिन बिजली विभाग ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। इसके कारण एक हाथी की मौत हो गई। हाथी की मौत के बाद अब वन विभाग बिजली विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। आपको बता दें कि पिछल महीने 23 नवंबर को हरिद्वार में पथरी के बिशनपुर कुंडी में गंगा नदी के पास रेडियो कॉलर लगे हाथी की करंट लगने से मौत हो गई थी। हाथी एक किसान के फार्म हाउस पर लगे ट्रांसफार्मर से टकराने की वजह से करंट की चपेट में आया था। इस मामले पर वन विभाग के अधिकारियों ने हाथी का पोस्टमार्टम करवाकर शव को फार्म हाउस के पास ही दफना दिया था।

जांच के लिए लाइन

थाईलैंड में कोरोना जांच के लिए कतार में लगे हुए लोग।

पेंशनभोगी 28 फरवरी तक जमा कर सकते हैं जीवन प्रमाणपत्र

नई दिल्ली। कोविड-19 के बीच केंद्र सरकार ने पेंशनभोगियों को बड़ी राहत दी है। पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाणपत्र जमा कराने की अंतिम तारीख 28 फरवरी तक बढ़ा दी है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसकी जानकारी दी है। जिन्होंने कोरोना महामारी की वजह से नवंबर तक अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं किया था। श्रम मंत्रालय के कहा, जो पेंशनभोगी 30 नवंबर तक अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा नहीं कर पाए हैं, उन्हें फरवरी तक हर महीने पेंशन मिलेगी और वे 28 फरवरी तक अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करा सकते हैं।

शराबबंदी | बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद से अब तक तीन बार शपथ ले चुके हैं

पुलिसकर्मियों ने आजीवन शराब नहीं पीने की ली शपथ

पटना ■ एजेंसी

बिहार में मद्य निषेध नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सोमवार को राज्य के सभी पुलिसकर्मियों ने आजीवन शराब नहीं पीने की शपथ ली। उन्होंने इस बात की भी शपथ ली कि कर्तव्य पर रहें या नहीं रहें, अपने दैनिक जीवन में भी शराब से संबंधित गतिविधियों में किसी प्रकार से शामिल नहीं होंगे। शराबबंदी को लागू करने के लिए जो भी विधि-सम्मत कार्रवाई अपेक्षित है, उसे करेंगे। यदि शराब से संबंधित किसी भी गतिविधि में शामिल पाए गए तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई का भागीदार बनेंगे। इसके लिए पुलिस मुख्यालय की ओर से शपथ पत्र का प्रारूप भी जारी किया गया था। शपथ पत्र को संबंधित प्रतिष्ठान के वरीय पदाधिकारी प्रमाणित करेंगे। बता दें कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया था कि पुलिस विभाग से संबंधित सभी प्रतिष्ठानों में कार्यरत पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को शराब नहीं पीने के संबंध में पुनः शपथ दिलायी जाए। इसके आलोक में डीजीपी ने सभी वरीय पुलिस अधीक्षक, सभी पुलिस अधीक्षक (रेल सहित) को 21 दिसंबर को दिन के 11 बजे शराब नहीं पीने के लिए शपथ दिलाने का निर्देश दिया था। ओपी में ओपी अध्यक्ष, थाना में थानाध्यक्ष, अंचल में अंचल निरीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय में पुलिस उपाधीक्षक व पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी (मुख्यालय) प्रमाणित करेंगे। पुलिस मुख्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) के नेतृत्व में शपथ ग्रहण हुआ।

430 पुलिसकर्मियों पर हुई है कार्रवाई

बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद से अबतक तीन बार पुलिसकर्मी शराब नहीं पीने को लेकर शपथ ले चुके हैं। 24 जून 2019, 26 नवंबर 2018 और 5 अप्रैल 2016 को उन्हें शपथ दिलायी गई थी। वहीं, शराबबंदी कानून लागू होने के बाद लापरवाही बरतने और अवैध शराब व्यापार को संरक्षण देने के आरोप में अब तक 430 पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। इनमें 56 से अधिक पुलिस कर्मियों को शराब पीने, तस्करों को संरक्षण देने और कार्रवाई न करने के आरोप में नौकरी से बर्खास्त किया जा चुका है।

मुंबई मेट्रो भूमि विवाद: पवार ने सीएम ठाकरे और फडणवीस से की बात

मुंबई ■ एजेंसी

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने मुंबई में कांजुरमार्ग मेट्रो कार शेड भूमि विवाद को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस से बात की। सूत्रों के मुताबिक पवार मुद्दे को सुलझाने के लिए इसे केंद्र के साथ उठा सकते हैं। ठाकरे ने रविवार को कहा कि वह केंद्र के साथ बातचीत के माध्यम से भूमि विवाद को सुलझाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उनके लिए अहम का मुद्दा नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, पवार ने रविवार को ठाकरे और फडणवीस से अलग-अलग बात की। सूत्रो के मुताबिक नमक आयुक्त केंद्र सरकार के अधीन आते हैं। इसलिए, पवार मुद्दे के समाधान के लिए इसे केंद्र के साथ भी उठा सकते हैं।

बम्बई हाईकोर्ट ने एकीकृत मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए कांजुरमार्ग क्षेत्र में 102 एकड़ साल्ट पैन भूमि आवंटित करने के मुंबई उपनगरीय जिलाधिकारी के आदेश पर रोक लगा दी है। अदालत ने साथ ही अधिकारियों को उस भूमि पर कोई भी निर्माण कार्य करने से भी रोक दिया है। केंद्र और शिवसेना के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के बीच मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए राज्य द्वारा निर्धारित भूमि के स्वामित्व को लेकर

टकराव है, जो पहले उपनगरीय गोरेगांव स्थित एक हरित क्षेत्र आरे कॉलोनी में योजनाबद्ध था।

फडणवीस की अगुवाई वाली राज्य की पिछली सरकार ने मुंबई मेट्रो लाइन 3 के लिए आरे कॉलोनी में कार शेड का निर्माण करने का फैसला किया था, हालांकि पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकत्ताओं ने परियोजना के लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटने का विरोध किया था। ठाकरे के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार ने कार शेड को आरे कॉलोनी से कांजुरमार्ग स्थानांतरित करने का हाल ही में निर्णय लिया।

न्यूज. ब्रीफ

बाइ ने थाईलैंड ओपन के लिए घोषित की टीम, साइना और सिंधू शामिल

नई दिल्ली। महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू और साइना नेहवाल सहित सभी स्टार खिलाड़ी लंबे समय के बाद एक बार फिर बैडमिंटन कोर्ट में नजर आयेंगे। भारतीय बैडमिंट संघ (बाइ) ने आगामी ओलंपिक क्वालीफिकेशन को ध्यान में रखते हुए जनवरी में होने वाले टूर्नामेंटों के लिए सोमवार को आठ सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में पी वी सिंधू, साइना नेहवाल, बी साई प्रणीत, किदाम्बी श्रीकांत, सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी 12 से 17 जनवरी के बीच योनेक्स थाईलैंड ओपन में भाग लेंगे। इस दौरे में एकल के विदेशी कोच अगसु द्वी सांतोसो और पार्क ताइ सांग तथा युगल कोच द्वी क्रिस्टियावान के अलावा सहयोगी स्टाफ भी टीम के साथ जाएगा। इस के बाद 19 से 24 जनवरी के बीच टोयोटा थाईलैंड ओपन और 27 से 21 जनवरी के बीच बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में शामिल होंगे। मार्च में कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण सभी टूर्नामेंट स्थगित कर दिए गए थे।

अमरीका में फंसे कोच के लिए मुक्केबाज विकास कृष्ण ने सहायता मांगी

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण ने वीजा प्रोटोकाल के कारण अमरीका में फंसे अपने कोच रॉन सिम्स जूनियर के लिए भारत सरकार से सहायता मांगी है। विकास कृष्ण ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से अपील की है ताकि वह घर लौटकर अभ्यास कर सकें। इस मुक्केबाज ने कहा टोक्यो ओलंपिक के लिए अपने कोच के साथ प्रशिक्षण करना बहुत अहम है। उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर को ट्वीट करते हुए लिखा, प्रिय सर, मेरे कोच अमेरिका में फंसे हुए है और नए वीजा प्रोटोकॉल के कारण भारत नहीं आ पा रहे हैं। वहीं टोक्यो ओलंपिक के लिए उनकी उपस्थिति मेरे प्रशिक्षण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि मेरा लक्ष्य भारत को ओलंपिक स्वर्ण जीताना है। क्या आप इसके लिए मदद कर सकते हैं। सितम्बर में स्पोर्ट्स अथारिटी ऑफ इंडिया (साई) ने अमेरिका में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी के एक भाग के रूप में प्रशिक्षित करने के कृष्ण के अनुरोध को मान लिया था। इसके बाद वह कोच रॉन सिम्स जूनियर के साथ अमेरिका चले गए थे और 30 नवंबर तक वर्जीनिया में अलेक्जेंड्रिया बॉक्सिंग क्लब में ट्रेनिंग की थी।

पृथ्वी के जल्दी आउट होने से दबाव में आई थी भारतीय टीम : गिलक्रिस्ट

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा कि सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉं के दोनो पारियों में जल्दी आउट होने से टीम पर अतिरक्त दबाव आया। गिलक्रिस्ट ने कहा कि पहली पारी में चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली द्वारा की गई धीमी बल्लेबाजी के बाद भी टीम का रुख सही था जिसे दूसरी पारी में भारतीय टीम दोहरा नही पायी। इस पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'पहली पारी में लगा कि भारत रन बनाने के मौके नही तलाश रही है, पर कोहली की पारी शानदार थी, साथ में पुजारा और अजिंक्य रहाणे की पारियों से भारत 244 तक पहुंचा । गिलक्रिस्ट का मानना है कि सलामी बल्लेबाज पृथ्वी के दोनो पारियों में जल्दी आउट होने से टीम पर दबाव बढ़ा। दोनों पारियों में शॉं के जल्दी आउट होने से भी टीम बैकफुट पर आ गई।' गिलक्रिस्ट ने कहा, 'इसका एक और मतलब यह है कि पृथ्वी की तकनीक का विश्लेषण किया गया और उनके बल्ले तथा पैड के बीच गैप को पूरी तरह से फायदा उठाया गया। यह उनके लिए चिंता की बात है।

बीसीसीआई की सालाना आम बैठक 24 दिसंबर को होगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक (एजीएम) 24 दिसंबर को होगी, जिसमें आईपीएल में दो नई टीमों को शामिल करने पर बात होगी। इस बैठक के एजेंडे में नए उपाध्यक्ष का चुनाव भी शामिल है बीसीसीआई ने एजीएम बुलाने से पहले सभी मान्य इकाइयों को 21 दिन पहले 23 बिंदुओं का एजेंडा भेजा है। इसमें सबसे अहम आईपीएल में दो नई टीमों को शामिल करके इसे 10 टीमों का टूर्नामेंट बनाना है। समझा जाता है कि अडानी समूह और संजीव गोयनका की आरपीजी (राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स के मालिक) नई टीमें बनाना चाहते हैं, जिनमें से एक टीम अहमदाबाद से होगी। बैठक में इस पर भी बात की जाएगी कि आईसीसी और एशियाई क्रिकेट परिषद में बीसीसीआई का प्रतिनिधि कौन होगा. माना जा रहा है कि बोर्ड सचिव जय शाह को यह जिम्मेदारी दी जाएगी। चयन समिति के अध्यक्ष के साथ 3 नए चयनकताओं का भी चुनाव होना है। चयन समिति क्रिकेट समिति का हिस्सा है। इसके अलावा तकनीकी समिति का भी गठन होना है।

| भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज: बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर से |

विहारी की जगह टीम में शामिल किए जा सकते हैं जडेजा, फिटनेस टेस्ट के बाद ही होगा फैसला

टी-20 सीरीज और पहले टेस्ट से बाहर हुए थे जडेजा

सिडनी ■ एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से शुरू हो रहे बॉक्सिंग डे-टेस्ट के लिए ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को टीम में शामिल किया जा सकता है। ऐसे में मिडिल ऑर्डर के बैट्समैन हनुमा विहारी को बाहर किया जाएगा।

जडेजा को टीम में शामिल करने का निर्णय उनकी फिटनेस के आधार पर लिया जाएगा। टीम मैनेजमेंट फिलहाल जडेजा के फिटनेस पर लगातार ध्यान बनाए हुए है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 में जडेजा को कन्कशन की शिकायत हुई थी। इसके बाद वे टी-20 सीरीज और पहले टेस्ट से बाहर हो गए थे। साथ ही उन्हें हैम-स्ट्रिंग की भी प्रॉब्लम थी। पहले टेस्ट के दौरान जडेजा ने नेट्स में बॉलिंग की थी। सूत्रों के हवाले से एजेंसी ने बताया कि जडेजा धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं।

ऑलराउंड ऑप्शन होने के कारण जडेजा का पलड़ा भारी

जडेजा ने भारत के लिए 49 टेस्ट मैच में 35 से ज्यादा की औसत से 1,869 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और 14 फिफ्टी शामिल हैं। उन्होंने अपने पिछले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर भी फिफ्टी लगाई थी। इसके अलावा उन्होंने 49 टेस्ट मैच में 24.63 की औसत से 213 विकेट भी लिए हैं। वहीं, विहारी ने 10 टेस्ट में 33 से ज्यादा की औसत से 576 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक (वेस्टइंडीज के खिलाफ) और 4 फिफ्टी शामिल है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कलाई में फ्रैक्चर के कारण पहले ही टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। ऐसे में टीम इंडिया 5 स्पेशलिस्ट बॉलर्स के साथ मैच में उतरना चाहेगी। सूत्रों के मुताबिक अगर जडेजा फिट होते हैं, तो विहारी को अपनी जगह छोड़नी पड़ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि जडेजा लंबे स्पेल तक बॉलिंग भी कर सकते हैं। साथ ही वे अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इससे भारतीय टीम पांच गेंदबाजों के कॉम्बिनेशन के साथ मेलबर्न टेस्ट में उतर सकेगी।

पंत-राहुल टीम में शामिल किए जा सकते हैं

बता दें कि एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से शर्मनाक हार के बाद टीम इंडिया दूसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव करने जा रही है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा की जगह ऋषभ पंत को जगह मिलना तय है। ओपनर पृथ्वी शॉं की जगह शुभमन गिल को मौका मिलेगा। मोहम्मद शमी की जगह मोहम्मद सिराज टीम में आ सकते हैं। विराट कोहली की जगह लोकेश राहुल टीम में आएंगे।

पहले टेस्ट में टीम इंडिया को मिली हार

एडिलेड टेस्ट में पहली पारी में बढ़त लेने के बावजूद टीम इंडिया 8 विकेट से हार गई थी। शॉं पहली पारी में शून्य पर आउट हुए थे। दूसरी पारी में वे महज 4 रन बना सके थे। दूसरी पारी में टीम इंडिया का कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका था।

दूसरे टेस्ट के लिए ऋषभ, हनुमा और राहुल को मिले टीम में जगह : प्रसाद

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद जहां टीम में बदलाव होना तय है। वहीं चयन समित के पूर्व प्रमुख एमएसके प्रसाद ने कहा है कि विकेटकीपर के रूप में युवा बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज हनुमा विहारी को भी टीम में जगह मिलनी चाहिये। प्रसाद के अनुसार पहले टेस्ट की दोनों पारियों में नाकाम रहने वाले साहा टीम प्रबंधन का विश्वास नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में ऋषभ को मौका मिलना तय है। ऋषभ ने अभ्यास मैच में शतक लगाया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे (2018) पर भी एक शतकीय पारी खेली थी। प्रसाद ने कहा कि हमारी योजना स्पष्ट थी कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में ऋषभ विकेटकीपिंग के लिए पहली पसंद थे जबकि भारत में जहां छठे क्रम के बाद ज्यादा बल्लेबाजी की जरूरत नही होती वहां आप विशेषज्ञ विकेटकीपर को टीम में रख सकते हैं।

इटली में एसी मिलान के एलेक्सी सीरीज ए फुटबॉल में गोल दागते हुए।

अब अबू धाबी टी10 लीग में खेलेंगे क्रिस गेल, शाहिद अफरीदी और आंद्रे रसेल

जमैका ■ एजेंसी

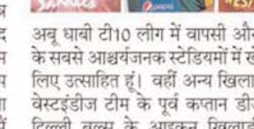

वेस्टइंडीज के आतिशी बल्लेबाज क्रिस गेल आईपीएल के बाद अब अबू धाबी टी10 लीग में खेलेंगे। गेल के साथ इस लीग में पाकिस्तान ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी भी खेलेंगे। अबू धाबी टी10 लीग का चौथा सत्र 28 जनवरी से 6 फरवरी के बीच शेख जायद स्टेडियम में आयोजित होगा। गेल इसमें टीम अबू धाबी के लिए आइकन खिलाड़ी के रूप में भाग लेंगे।। गेल ने कहा, फॉर्मेट जितना छोटा होगा, खेल उतना ही रोमांचक होगा। मैं जायद क्रिकेट स्टेडियम में फिर से खेलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। वहीं गेल के साथी खिलाड़ी आंद्रे रसेल इसमें नार्थन वारियर्स टीम से खेलेंगे। वहीं अफरीदी द कलंदर्स टीम के आइकल खिलाड़ी होंगे। अफरीदी ने एकदिवसीय में सबसे तेज शतक लगाया था और उनका ये रिकार्ड पिछले 17 साल से बना हुआ है। अफरीदी ने कहा, मैं अबू धाबी टी10 लीग में वापसी और दुनिया के सबसे आश्चर्यजनक स्टेडियमों में खेलने के लिए उत्साहित हूं। वहीं अन्य खिलाड़ियों में वेस्टइंडीज टीम के पूर्व कप्तान डीजे ब्रावो दिल्ली बुल्स के आइकन खिलाड़ी होंगे। पिछले साल उन्होंने मराठा अरेबियंस को कप्तानी की थी और खिताब दिलाया था। डेकन ग्रेडिएटर्स ने स्पिनर सुनील नरेन को आइकल खिलाड़ी बनाया है। वहीं खिताब बताने के लिए मराठा अरेबियंस ने पाक क्रिकेटर शोएब मलिक को आईकन खिलाड़ी चुना है। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान अब अरेबियंस की कप्तानी करते नजर आएंगे।

आयकर विभाग का रोचक टवीट, फाइल करो झट से, प्रोसेसिंग होगी पट से

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

वित्त वर्ष 2019-20 का आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। इसी बीच आयकर विभाग ने फिर से लोगों के आयकर रिटर्न भरने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए खास ट्वीट किया है। इस ट्वीट में आयकर विभाग ने कहा है कि 'फाइल करो झट से, प्रोसेसिंग होगी पट से। आमतौर पर आयकर रिटर्न वेरिफिकेशन की प्रक्रिया के बाद रिटर्न प्रोसेस होने में करीब 20 से 45 दिन तक लग जाते हैं, लेकिन अब महज चंद दिनों में प्रोसेसिंग हो रही है। आईटीआर वेरिफिकेशन के बाद आयकर अधिनियम 1961 के तहत आयकर विभाग टैक्स की प्रोसेसिंग करता है, और फिर प्रोसेसिंग पूरी होने पर उसका नोटिफिकेशन देता है। ये नोटिफिकेशन मोबाइल पर और ईमेल आईडी पर भेजा जाता है। सेंट्रल प्रोसेसिंग सेंटर यानी सीपीसी के जरिए हर आईटीआर को प्रोसेस किया जाता है, जिसमें करदाता की तरफ से दिए आंकड़ों की सीपीसी के पास पहले से मौजूद आंकड़ों से तुलना होती है। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 30-45 दिन तक का समय लग जाता है। आयकर विभाग ने कोरोना की वजह से कई बार आयकर रिटर्न फाइल करने की तारीख बढ़ाई है। अभी आयकर रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है, जिसके अब और आगे बढ़ने की उम्मीद कम है इसके बाद अगर आपने अभी तक अपना आयकर रिटर्न फाइल नहीं किया है तो अभी पर जाकर अपना रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

निवेश का बेहतर माहौल बनेगा: इंफ्रा प्रोजेक्ट के मुकदमों में सुनवाई के लिए स्पेशल डेजिग्नेटेड कोर्ट बनाने की वकालत कर रही सरकार

- देश के साथ ही राज्यों की भी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए बहुत जरूरी है
- स्पेसिफिक रिलीफ अमेंडमेंट एक्ट 2018 के सेक्शन 20 बी में डेजिग्नेटेड कोर्ट बनाए जाने का प्रावधान

कानून मंत्रालय ने दो साल पहले संशोधित किए गए एक कानून के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के कॉन्ट्रैक्ट्स से जुड़े विवादों के निपटारे के लिए राज्य सरकारों से विशेष अदालतें बनाने के लिए कहा है। मंत्रालय का कहना है कि यह देश के साथ ही राज्यों की भी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए बहुत जरूरी है। कर्नाटक, इलाहाबाद और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का उदाहरण देते हुए कानून मंत्रालय ने दूसरे हाईकोर्ट को भी उन डेजिग्नेटेड स्पेशल कोर्ट को डेडिकेटेड कोर्ट के लिए खास दिन दिए जाने का सुझाव दिया है, जो पहले से ही इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट से जुड़े मुकदमों की सुनवाई कर रहे हैं। स्पेसिफिक रिलीफ अमेंडमेंट एक्ट 2018 के सेक्शन 20 बी में डेजिग्नेटेड कोर्ट बनाए जाने का प्रावधान है लेकिन कानून मंत्रालय चाहता है कि डेडिकेटेड स्पेशल कोर्ट बनने तक डेजिग्नेटेड स्पेशल कोर्ट उसकी जगह काम करें।

न्याय सचिव ने सभी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पिछले हफ्ते पत्र लिखा

कानून मंत्रालय के न्याय सचिव ने सभी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पिछले हफ्ते पत्र लिखकर कहा था कि इलाहाबाद, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट ने अपने यहां स्पेसिफिक रिलीफ एक्ट के तहत डेडिकेटेड स्पेशल कोर्ट की जगह डेजिग्नेटेड स्पेशल कोर्ट बनाया है। इन हाईकोर्ट ने हर हफ्ते इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े स्पेसिफिक रिलीफ मैटर की खास हैंडलिंग के लिए खास दिन तय किए हैं।

वैकल्पिक उपाय के तौर पर डेजिग्नेटेड स्पेशल कोर्ट की व्यवस्था की जा सकती है

पत्र में यह भी कहा गया है कि जब तक डेडिकेटेड स्पेशल कोर्ट नहीं बन जाते जब तक हाई कोर्ट में वैकल्पिक उपाय के तौर पर डेजिग्नेटेड स्पेशल कोर्ट की व्यवस्था की जा सकती है। यह व्यवस्था कॉन्ट्रैक्ट लागू कराने के काम में लगने वाले समय और खर्च दोनों के लिहाज से फायदेमंद होगी, साथ ही इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और अनुकूल कारोबारी माहौल बनेगा।

स्पेशल रिलीफ अमेंडमेंट एक्ट 2018 के मुताबिक स्पेशल कोर्ट बनाने पर जोर

कानून मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने अक्टूबर में सभी राज्यों में मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर स्पेशल रिलीफ अमेंडमेंट एक्ट 2018 के मुताबिक स्पेशल कोर्ट बनाने पर जोर दिया था। प्रसाद ने कहा था कि इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए बने कानून में सेक्शन 20ए डाला गया है जिसके मुताबिक अदालत ऐसे किसी मुकदमे में इनजंक्शन नहीं देगी यानी वादी के हक में रोक के आदेश नहीं देगी जिसमें उसे लगता है कि उसके ऐसा करने से इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को पूरा करने में देरी होगी या उसे जारी रखने में रुकावट आएगी। प्रसाद ने कहा था कि विदेशी निवेशकों का मानना है कि स्पेशल कोर्ट होने से समय और खर्च, दोनों के लिहाज से इंफ्रा कॉन्ट्रैक्ट का लागू होना सुनिश्चित हो सकेगा और निवेश अनुकूल माहौल बेहतर बन सकेगा।

जनवरी से बीएमडब्लल्यू के सभी मॉडलों की कीमतों में होगी बढ़ोत्तरी

मुंबई। लक्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने जनवरी से भारत में अपनी पूरी मॉडल श्रृंखला की कीमतों में दो प्रतिशत तक वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि वह चार जनवरी, 2021 से अपने सभी बीएमडब्ल्यू और मिनी के मॉडलों की कीमतों में संशोधन करने जा रही है। यह कीमत वृद्धि दो प्रतिशत तक होगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावह ने कहा, चार जनवरी, 2021 से कंपनी अपने बीएमडब्ल्यू और मिनी के पोर्टफोलियो की कीमतों में दो प्रतिशत की वृद्धि करने जा रही है। उत्पादन लागत में बढ़ोतरी की वजह से कंपनी को यह कदम उठाना पड़ रहा है। कंपनी भारतीय बाजार में स्थानीय स्तर पर विनिर्मित कारें.... 2 सीरीज ग्रैन कूपे, 3 सीरीज, 3 सीरीज ग्रैन टूरिज्मो, 5 सीरीज, 6 सीरीज ग्रैन टूरिज्मो, एक्स1, एक्स3, एक्स4, एक्स5, एक्स7 और मिनी कंट्रीमैन बेचती है। इसके अलावा कंपनी भारतीय बाजार में 8 सीरीज ग्रैन कूपे,, एक्स6, एम2 कॉम्पिटिशन, एम5 कॉम्पिटिशन, एम8 कूपे, एक्स3 एम और एक्स5 एम भी बेचती है। ये मॉडल यहां पूर्ण निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में आते हैं। इसके अलावा कंपनी मिनी डीलरशिप के जरिये मिनी 3-डोर, मिनी 5-डोर, मिनी कन्वर्टिबल, मिनी क्लबमैन और मिनी जॉन कपूर वर्क्स हैच को सीबीयू के रूप में बेचती है।

बजट-2021-22 — वित्त मंत्री ने कहा था कि आगामी बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च को बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा

आम बजट की तैयारी जोरों पर, निर्मला सीतारमण ने इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट से की प्री-बजट विचार-विमर्श

- इस साल कोरोना वायरस महामारी से देश की अर्थव्यवस्था काफी प्रभावित हुई है

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2021-22 के मद्देनजर इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और क्लाइमेट चेंज संबंधित सेक्टर एक्सपर्ट के साथ प्री-बजट विचार-विमर्श किया।

वित्त मंत्रालय ने दी जानकारी

बैठक में सीतारमण के अलावा, वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर, वित्त सचिव डॉ एबी पांडे, मुख्य आर्थिक सलाहकार के वी. सुब्रमण्यम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर बताया कि आज दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2021-22 के संबंध में इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और क्लाइमेट एक्सपर्ट के साथ अपने विचार-विमर्श किया है।

बजट में रहेगा इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस

हाल ही में वित्त मंत्री ने कहा था कि आगामी बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च को बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इससे अर्थव्यवस्था में टिकाऊ रिकवरी देखने को मिलेगी। बता दें कि वित्त वर्ष 2021-22 का बजट एक फरवरी को संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है।

सरकार ने मांगे थे आम लोगों से भी सुझाव

बता दें कि हर साल बजट से पहले वित्त मंत्री विभिन्न सेक्टर्स के दिग्गजों के साथ मीटिंग करती हैं। इसमें आगामी बजट के लिए सुझाव लिए जाते हैं। इस साल कोरोना महामारी से देश की अर्थव्यवस्था काफी प्रभावित हुई है। ऐसे में बजट का महत्व और बढ़ गया है। महामारी के चलते सभी प्री-बजट मीटिंग्स वर्चुअली हो रही हैं। कुछ दिन पहले ही सरकार ने इस बजट को लेकर आम जनता की राय मांगी थी। इसके लिए सरकार ने MyGov प्लेटफॉर्म से जुडने की सुविधा दी हुई थी।

इस वर्ष रिजर्व बैंक के तय लक्ष्य से अधिक रही खुदरा महंगाई दर, 2021 में भी डालेगी असर

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि बेमौसम बारिश, आपूर्ति में बाधा, लॉकडाउन और अन्य चिंताओं के चलते इस साल खुदरा महंगाई तय लक्ष्य से ज्यादा रही और नए साल में भी यह झटका देगी। विशेषज्ञों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई 6.3 फीसदी के आसपास बनी रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि अर्थव्यवस्था में सुधार की रफ्तार धीमी होने के बीच निकट अवधि में खुदरा महंगाई में तेजी रहने का अनुमान है। सालभर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी ने खुदरा महंगाई की दर को ऊपर बनाए रखा। मार्च में 5.91 फीसदी के स्तर को छोड़कर यह सालभर 6.58 से 7.61 फीसदी के दायरे में रही।

वहीं, आपूर्ति श्रंखला से जुड़ी परेशानियों के बीच थोक कीमतों पर आधारित महंगाई मई में (-)3.37 फीसदी के निम्नतम स्तर और जनवरी में 3.1 फीसदी के उच्च स्तर पर रही। महामारी और लॉकडाउन के कारण चरमराई देश की अर्थव्यवस्था में फिर से सुधार के शुरूआती संकेत दिखने लगे हैं। हालांकि, 2020 में सरकार ने अप्रैल और मई के खुदरा महंगाई के आंकड़े भी जारी नहीं किए क्योंकि लॉकडाउन की वजह से अधिकारी सर्वेक्षण के लिए क्षेत्र में नहीं पहुंच सके। खुदरा महंगाई के उच्च स्तर पर रहने से लोगों को टमाटर, प्याज और आलू की खरीद के लिए जेब ढीली करनी पड़ी। हालांकि, इनकी कीमतों को लेकर चिंतित सरकार ने दो साल पहले ऑपरेशन ग्रीन्स पहल की शुरूआत की है। इसका मकसद देशभर में वाजिब दाम पर आलू, प्याज और टमाटर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। बेमौसम बारिश के कारण उत्पादन प्रभावित होने और लॉकडाउन में आपूर्ति बाधित होने से भारतीय रसोइयों में इस्तेमाल होने वाली इन तीन प्रमुख सब्जियों की कीमत 60 से 80 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच रही। आरबीआई के मुताबिक, खरीफ की बंपर पैदावार से अनाजों की कीमतों में कमी आ सकती है लेकिन सर्दियों की सब्जियों और अन्य खाद्य वस्तुओं के दाम ऊंचे बने रहने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लिये 1706 करोड़ स्वीकृत

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रि-परिषद की वर्चुअल बैठक हुई। मंत्रि-परिषद ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (हर खेत को पानी) अंतर्गत भू-जल से सिंचाई योजना के लिये 1706 करोड़ एक लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। इसमें राज्यांश 682 करोड़ 40 लाख 40 हजार रूपये रहेगा। इस योजना में मध्यप्रदेश के पाँच जिले मण्डला, डिण्डौरी, शहडोल, उमरिया और सिंगरौली का चयन कर भू-जल स्त्रोंतों से बोरवेल निर्मित कर 62135 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

जेल विभाग के लिये 30 मेल नर्स-मंत्रि-परिषद ने जेल विभाग के फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 34 रिक्त पदों को समर्पित कर मेल नर्स के 30 पद सृजित करने की स्वीकृति दी। इससे जेलों में चिकित्सा सुविधा में वृद्धि होगी। बंदियों को त्वरित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन एवं संरचना संबंधी निर्णय-मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन एवं संरचना के संबंध में निर्णय लिया। इसमें पिछड़े वर्गो से संबंधित मामलों का ज्ञान रखने तथा उनके कार्य के लिये जाने जाते होंगे, ऐसे पाँच अशासकीय सदस्यों की नियुक्ति की जायेगी। इसमें से एक सदस्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में एवं अन्य सदस्य उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाएंगे। अध्यक्ष और कम से कम दो अन्य सदस्य पिछड़े वर्ग से संबंधित होंगे। साथ ही एक महिला सदस्य को भी नियुक्त किया जायेगा।

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 में संशोधन-मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996 में संशोधन करने का निर्णय लिया है। इसमें अनुसूची 5 के 31 गौण खनिजों के उत्खन्न पट्टा आवेदन/ई निविदा से आवंटन करने के प्रावधान किये गये हैं। संशोधन अनुसार निजी भूमि पर भूमि-स्वामी/ सहमति धारक को रायल्टी के अलावा 15 प्रतिशत अतिरिक्त राशि भुगतान की शर्त पर 30 वर्ष की अवधि के लिये आवेदन के आधार पर उत्खन्न पट्टा स्वीकृत करने के प्रावधान किये गये हैं। संचालक उत्खन्न पट्टा विभागीय मंत्री के पूर्व अनुमोदन से स्वीकृत कर सकेंगे। शासकीय व निजी भूमि पर 250 हेक्टेयर क्षेत्र पर ई-निविदा के माध्यम से 30 वर्ष की अवधि के लिये अनुसूची 5 के उत्खन्न पट्टा आवंटन करने के प्रावधान किये गये हैं। उच्चतम निविदाकार को देय रायल्टी के अलावा स्वीकृत ई-निविदा दर से वन टाइम बिट के आधार पर अतिरिक्त राशि का भुगतान करना होगा। संचालक शासकीय भूमि पर तथा शासकीय एवं निजी भूमि के संयुक्त क्षेत्र पर राज्य सरकार से तथा निजी भूमि पर विभागीय मंत्री का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद स्वीकृत कर सकेंगे।

निजी भूमि अथवा ई-निविदा से अनुसूची 5 के स्वीकृत उत्खन्न पट्टों में 25 करोड़ रूपये तथा उससे अधिक निवेश कर उद्योग स्थापित करने पर उत्खन्न पट्टे का 10-10 वर्ष के लिये दो बार नवीनीकरण किया जा सकेगा। अनुसूची 1 और 2 के खनिजों के 4 हेक्टेयर तक के क्षेत्र के उत्खन्न पट्टे कलेक्टर द्वारा जिला स्तर पर स्वीकृत किये जा सकेंगे। इसमें 4 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र स्वीकृत करने के अधिकार संचालक को दिये जा रहे हैं। अनुसूची एक के खनिजों के मामलों में स्वीकृति से पहले संचालक द्वारा विभागीय मंत्री से पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा। अनुसूची एक मे पत्थर से निर्मित रेत (यांत्रिक क्रिया द्वारा) को शामिल किया जा रहा है। इससे अब पत्थर से रेत बनाने के उत्खन्न पट्टे भी स्वीकृत हो सकेंगे।गौण खनिज रेत बजरी की रायल्टी दर 125 रूपये प्रति घन मीटर निर्धारित की गई। यह भी प्रावधान किया गया है कि बाहर के राज्यों से परिवहित होकर आने वाले गौण खनिज पर 25 रूपये प्रति घन मीटर की दर से विनियमन शुल्क लिया जायेगा।

फर्शी पत्थर की वार्षिक डेडरेंट की राशि दो लाख रूपये प्रति हेक्टेयर के स्थान पर रूपए 1.50 लाख प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है। पट्टाधारी को स्वीकृत खदानों में से 75 प्रतिशत रोजगार मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को अनिवार्य रूप से प्रदान करना होगा। सरकारी तालाब, बांध आदि से गाद के साथ निकाली गई रेत का निर्वर्तन मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996 एवं राज्य सरकार द्वारा बनाये गये नियमों के तहत किया जायेगा। नियमों अनुसूची 5 (31 गौण खनिज) की रायल्टी व डेडरेंट की दरें पुनरीक्षित की गई हैं। विभिन्न आवेदन शुल्क, न्यायालयीन स्टाम्प शुल्क, प्रतिभू निक्षेप, सुरक्षा राशि, रेखांक शुल्क में भी वृद्धि की गई है। अनुसूची 5 के खनिजों के लिये उत्खन्न पट्टा के लिये नये आवेदन शुल्क एवं सुरक्षा राशि भी निर्धारित की गई हैं। नियम में उपरोक्त अनुसार संशोधन करने से न केवल प्रदेश के खनिज राजस्व में भारी वृद्धि संभावित हैं बल्कि गौण खनिज के खदानों में प्रदेश के मूल निवासियों को बड़ी संख्या में रोजगार भी मिलना संभावित है। इसी के साथ प्रदेश में खनिज आधारित निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

भू-अर्जन की पुनर्व्यवस्थापन योजना तैयार-मंत्रि-परिषद ने निर्णय लिया है कि भू-अर्जन के परिणामस्वरूप विस्थापन के मामलें में विस्थापित कुटुम्बों के पुनर्वासन के लिये यदि ग्रामों में आंकलित आकार की शासकीय भूमि उपलब्ध है तो ऐसी शासकीय भूमि के लिये सिंचित कृषि भूमि के बाजार मूल्य के 1.6 गुणा के बराबर की राशि अपेक्षक निकाय से लेकर, उक्त भूमि पर भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के अनुसरण में पुनर्व्यवस्थापन योजना तैयार की जायेगी। जहां अपेक्षक निकाय राज्य सरकार के विभाग या उपक्रम हैं वहां ग्रामों में स्थित शासकीय भूमि बिना कोई राशि लिये उपलब्ध कराई जायेगी। भू-अर्जन के परिणामस्वरूप विस्थापन के मामलें में विस्थापित कुटुम्बों के पुनर्वासन के लिये यदि शासकीय भूमि उपलब्ध नहीं है तो ग्रामों में स्थित निजी भूमियां उक्त अधिनियम प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश के पक्ष में अर्जित व पुनर्वास योजना के क्रियान्वयन के लिये प्राप्त की जायेंगी। इसमें भू-अर्जन की अवार्ड की राशि का भुगतान संबंधित अपेक्षक निकाय से प्राप्त की जायेगी। इस प्रकार तैयार योजना के क्रियान्वयन के लिये ऐसी चिन्हांकित भूमि पर उक्त अधिनियम की तीसरी अनुसूची अनुसार अवसंरचना के निर्माण के लिये (भूमि) अपेक्षक निकाय को योजना के क्रियान्वयन हेतु युक्तियुक्त समय के लिये आधिपत्य में दी जायेगी। ताकि अपेक्षक निकाय नियत अवधि में अवसंरचना निर्माण कर योजना के अनुसार भूखंड या मकान तथा अन्य सामुदायिक सुविधायें (उक्त अधिनियम की अनुसूची 3 में उल्लेखित समस्त मदों के लिये) तैयार कर कलेक्टर को वापिस आधिपत्य सौंपे। इस प्रकार योजना के अनुरूप विकसित क्षेत्र का आधिपत्य प्राप्त कर कलेक्टर ऐसे क्षेत्र को मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 के प्रावधानों के अनुसार आबादी घोषित करेगें और इस प्रकार विकसित आबादी क्षेत्र में कलेक्टर भूमि अर्जन,पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसरण में विस्थापित कुटुम्ब को यथास्थिति मध्यप्रदेश भू-राजस्व सहिंता 1959 के प्रावधानों के अनुसार भूखंड या मकान आवंटित करेगा। ऐसे मामलें जिनमें वन भूमि (जिन भूमियों पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 आकर्षित होता हैं) किसी निजी कम्पनी/भारत सरकार की कम्पनी/निजी संस्थाओं (अपेक्षक निकाय) को परियोजना के लिये आवंटित की जाती हैं, ऐसे मामलों में प्रतिपूर्ति वनीकरण (वैकल्पिक वनीकरण) के लिये भारत सरकार के समय-समय पर जारी किये गये दिशा निर्देशों के अनुक्रम में वन विभाग को प्रभावित भूमि के बराबर भूमि दिये जाने की अनिवार्यता है, ऐसे मामलों में वन विभाग का ऊपर वर्णित अपेक्षक निकाय के व्यय पर शासकीय भूमि प्रतिपूर्ति वनीकरण के लिये ऐसी भूमि के सिंचित कृषि भूमि के बाजार मूल्य के 1.6 गुणा बराबर की राशि लेकर उपलब्ध कराई जायेगी। उपरोक्त राशि के अतिरिक्त भारत सरकार के दिशा निर्देश एवं राज्य सरकार के वन विभाग के निर्देशों के अनुसरण में वनीकरण के लिये व्यय की जाने वाली राशि भी अपेक्षक निकाय को पृथक से देना होगी।

विधेयकों को विधानसभा में प्रस्तुत करने का अनुमोदन-मंत्रि-परिषद ने तीन विश्वविद्यालयों मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय भोपाल, पंडित एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल और डॉ.बी.आर. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू के अधिनियम में प्रति कुलपति पद के प्रावधान के लिये संशोधन विधेयक 2020 को विधानसभा मे प्रस्तुत करने की मंजूरी दी। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक 2020, मध्यप्रदेश सिंचाई प्रबंधन में कृषकों की भागीदारी (संशोधन) विधेयक 2020, मध्यप्रदेश मोटर स्पिरिट उपकर (संशोधन) विधेयक 2020, मध्यप्रदेश हाई स्पीड डीजल उपकर (संशोधन) विधेयक 2020 और मध्यप्रदेश कराधान अधिनियमों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक 2020 को अनुमोदित कर विधानसभा में पुरस्थापित करवाने की सहमति दी। मध्यप्रदेश राज्य में खाद्य और दवाओं का अपमिश्रण रोकने के उद्देश्य से वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए एवं तात्कालिक विधान की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए अपमिश्रणकर्ता के विरूद्व आजीवन कारावास की सजा का उपबंध करने के लिये दंण्ड विधि (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक 2020 तैयार किया गया हैं।

पंजीयन शुल्क पर 2प्रतिशत छूट की तिथि को 31 मार्च, 2021 तक बढ़ाया जाए : एमपीसीसीआई

प्रदेश के मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, सांसद-माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर, वाणिज्यिक कर मंत्री, म. प्र. शासन एवं ऊर्जा मंत्री-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित प्रमुख सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग को चेम्बर ने लिखे पत्र

ग्वालियर । कोविड-19 के कारण राज्य सरकार द्वारा भवन एवं भूमि को क्रय करने पर, पंजीयन शुल्क में दिनांक 31 दिसंबर,2020 तक 2त्न छूट प्रदान की जा रही है । एमपीसीसीआई ने म. प्र. सरकार के इस कदम की सराहना करते हुए, प्रदेश के मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, सांसद-माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर, वाणिज्यिक कर मंत्री, म. प्र. शासन एवं ऊर्जा मंत्री-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित प्रमुख सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग को आज पत्र प्रेषित कर, छूट की तिथि को आगामी 31 मार्च,2021 तक किए जाने की माँग की है । एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि राज्य सरकार द्वारा पंजीयन शुल्क में दी जा रही 2त्न छूट से प्रदेश की जनता को प्रोत्साहन मिला है और और इससे राज्य सरकार को भी राजस्व की काफी प्राप्ति हो रही है । पदाधिकारियों ने कहा है कि कोविड-19 का असर प्रत्येक वर्ग पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है और व्यापार एवं उद्योग सहित कृषि क्षेत्र भी इससे प्रभावित हुआ है । राज्य सरकार द्वारा सम्पत्ति की रजिस्ट्री कराने पर उपलब्ध कराई जा रही 2त्न छूट से लोगों को काफी राहत मिली है । इसलिए यह आवश्यक है कि छूट की इस योजना को आगामी 31 मार्च,2021 तक बढ़ाया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इस योजना से लाभांवित हो सकें । इस योजना की तिथि को बढ़ाया जाना, इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वर्तमान में लोगों को आठ-आठ दिन की वेटिंग मिल रही है । एमपीसीसीआई ने कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए माँग की है कि भवन एवं भूमि के पंजीयन पर राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में दी जा रही 2त्न छूट की तिथि को आगामी 31 मार्च,2021 तक बढ़ाई जाए, ताकि राज्य शासन की इस योजना से अधिक से अधिक लोग लाभांवित हो सकें । छूट की तिथि बढ़ाए जाने से निश्चित ही राज्य सरकार को भी अधिक राजस्व की प्राप्ति होगी ।

ग्वालियर क्राईम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थ की बिक्री करने वाले तस्कर को किया गिरफ्तारए 01लाख रूपये की ब्राउन शुगर की बरामद

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघीएभापुसेके निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थो की बिक्री करने वालों क विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री सतेन्द्र सिंह तोमर एवं डीएसपी क्राईम श्री रत्नेश तोमर व श्री विजय भदौरिया द्वारा क्राईम ब्रांच को मुखबिर तंत्र विकसित कर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए आज दिनांक 22.02.2020 को थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरी. दामोदर गुप्ता को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि गेंडेवाली सड़क पर बकरा मण्डी के पास एक व्यक्ति नीला लोअर व नीली आसमानी जैकेट पहने ब्राउन शुगर बेचने की फिराक में खड़ा हुआ है। उक्त सूचना पर से तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच ने मय क्राईम टीम के मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को धरदबोचा। पकड़े गये व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके पास से 25 ग्राम ब्राउन शुगर;अनुमानित कीमत 01लाख रूपयेद्धजप्त की गई। गिरफ्तार व्यक्ति के विरूद्ध थाना क्राईम ब्रांच में एसएनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर उससे ब्राउन शुगर के संबंध मे सख्ती से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार तस्कर के विरूद्ध ग्वालियर जिले के विभिन्न थानों मे तीन दर्जन प्रकरण पंजीबद्ध है।

सुश्री ज्योति सागर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो की अध्यक्ष नियुक्त

ग्वालियर। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली द्वारा सुश्री ज्योति सागर भारती को मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो जिला ग्वालियर की महिला विंग की अध्यक्षा मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो नीति आयोग भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नियुक्ति पत्र में उल्लेख किया है कि सुश्री ज्योति सागर भारती की योग्यता, कार्यानुभव एवं समाज सेवा के प्रति निष्ठा को देखते हुए यह नियुक्ति की गई है। राष्ट्रीय ब्यूरो ने सुश्री ज्योति सागर भारती से राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के उद्देश्यों पर कार्य करते हुए ब्यूरो का नाम गौरवान्वित करने की उम्मीद की है। उल्लेखनीय है कि यह ब्यूरो भारत सरकार के मानवाधिकार के संरक्षण अधिनियम के तहत कार्य करता है। ब्यूरो ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तीन किलोमीटर के दायरे में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध

ग्वालियर। भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव तानसेन समारोह की तैयारियाँ जारी हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने समारोह आयोजन स्थल अर्थात तानसेन समाधि के तीन किलोमीटर के दायरे में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही तानसेन समारोह आयोजन स्थल के आस-पास 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र धारण करने एवं उनके प्रदर्शन पर भी पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है।

100 मीटर की परिधि में अस्त्र-शस्त्र धारण करने एवं प्रदर्शन पर भी प्रतिबंध

यह आदेश 26 दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक प्रभावशील रहेगा। साथ ही आठवीं संगीत सभा के दिन यानि 30 दिसम्बर को बेहट में कार्यक्रम स्थल पर यह आदेश लागू होगा। जिला दण्डाधिकारी ने यह आदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत जारी किया है। ज्ञात हो तानसेन समारोह 26 दिसम्बर से शुरु होकर 30 दिसम्बर तक चलेगा। समारोह में कुल 8 संगीत सभाएँ होंगी। पहली 7 सभाएँ तानसेन समाधि स्थल पर सजेंगी। आठवीं एवं आखिरी संगीत सभा तानसेन की जन्म स्थली बेहट में झिलमिल नदी के किनारे 30 दिसम्बर को प्रातःकाल में आयोजित होगी।

व्यवस्थाओं को अंजाम देने के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त-विभिन्न विभागों के अधिकारियों से समन्वय बनाकर तानसेन समारोह को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नोडल अधिकारियों की तैनाती भी की है। एसडीएम ग्वालियर सिटी श्री प्रदीप तोमर (मोबा. 9425112082) को तानसेन समाधि स्थल पर आयोजित होने वाली सभाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह बेहट के लिये अनुविभागीय दण्डाधिकारी ग्वालियर ग्रामीण श्री एच बी शर्मा (मोबा. 9425743666) को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों नोडल अधिकारी तानसेन समारोह के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी निभायेंगे।

अब लोक सेवा केन्द्रों से भी आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड

ग्वालियर। राज्य लोक सेवा अभिकरण अंतर्गत संचालित लोक सेवा केन्द्रों से अब पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड मिलना प्रारंभ हो गए हैं, योजनांतर्गत पात्र लाभार्थी को अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र में आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ आवेदक को निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। लोक सेवा केन्द्रों द्वारा लोक सेवा गारंटी के तहत निर्धारित समयावधि में पात्र लाभार्थी को आयुष्मान कार्ड बनाकर उपलब्ध कराया जायेगा। राज्य लोक सेवा अभिकरण द्वारा आम नागरिकों के लिये लोक सेवा प्रबंधन विभाग अंतर्गत संचालित लोक सेवा केन्द्रों व उनकी उपलब्ध सेवाओं की जानकारी को अब व्हाट्अप पर दी जा रही है। इसके लिये राज्य-स्तरीय दूरभाष नंबर 0755-2775227 जारी किया गया है। व्हाट्सअप से जानकारी प्राप्त करने के लिये नागरिकों को सबसे पहले अपने मोबाइल में उक्त नंबर को सेव करना होगा। उसके बाद व्हाट्सअप के माध्यम से इस नंबर पर मैसेज भेजना होगा। नागरिक के मैसेज भेजने के उपरांत नागरिक के पास विभिन्न विकल्पों के चुनाव करने हेतु मैसेज आयेगा, जिसमें नागरिक लोक सेवा केन्द्रों अथवा एमपी डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर दर्ज कराये गये आवेदन के निराकरण की स्थिति, जारी किये गये प्रमाण-पत्र पर लगे डिजिटल हस्ताक्षर सत्यापन, लोक सेवा केन्द्रों पर उपलब्ध नागरिक सेवाओं की जानकारी, नजदीकी लोक सेवा केन्द्र की जानकारी एवं शासन के लिये महत्वपूर्ण सुझाव व फीडबैक दर्ज कर सकते हैं।

स्वच्छता कार्य की निगरानी के लिये नियुक्त वार्ड मॉनीटर नियमित अपने क्षेत्र में भ्रमण करें

ग्वालियर। शहर के सभी वार्डों में स्वच्छता के कार्य के लिये नियुक्त किए गए वार्ड मॉनीटर अपने-अपने क्षेत्र का नियमित भ्रमण कर कार्य को समय पर संपादित कराएँ। सफाई के पश्चात एकत्र कचरे का परिवहन भी समय पर हो, यह सुनिश्चित किया जाए। संभागीय आयुक्त एवं निगम प्रशासक श्री आशीष सक्सेना ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शहर की स्वच्छता एवं यातायात प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों से चर्चा करते हुए यह बात कही। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चर्चा के दौरान कहा कि शहर के अधिक से अधिक वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य तत्परता से प्रारंभ किया जाए। डोर टू डोर कचरा प्रबंधन की सभी गाडियों में जीपीएस सिस्टम एवं माइक भी लगाए जाएँ, ताकि वार्डों में कचरा कलेक्शन के समय लोगों को सही जानकारी मिले और वाहनों की लोकेशन की भी मॉनीटरिंग की जा सके।

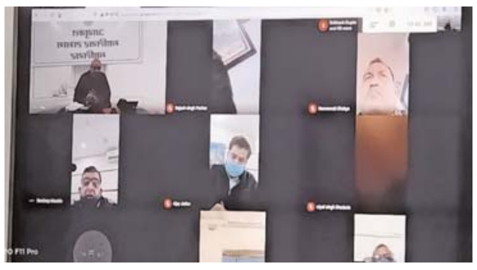

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि स्वच्छता के कार्य में छोटी-छोटी व्यवस्थाओं के लिये सभी वार्ड मॉनीटरों को 10 - 10 हजार रूपए की राशि अग्रिम के रूप में प्रदान की जाए। शहर में नगर निगम एवं विकास विभाग से जुड़े समस्त ठेकेदारों को निर्माण सामग्री का मटेरियल सड़क पर न फैलाने के निर्देश भी जारी किए जाएं। इसके साथ ही निर्माण मटेरियल को संग्रहित कर व्यवस्थित स्तर पर पहुँचाने के लिये भी जवाबदारी सुनिश्चित की जाए। संभाग आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि स्वच्छता के कार्यों की मॉनीटरिंग के साथ-साथ वार्डों का निरीक्षण भी किया जायेगा। जिन वार्डों में अच्छा कार्य पाया जायेगा, उनके अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ जिन क्षेत्रों में व्यवस्थायें खराब पाई जायेंगीं, उन वार्डों के संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी की जायेगी।

यातायात प्रबंधन के संबंध में भी हुई चर्चा-संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने शहर की यातायात व्यवस्था के संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शहर के यातायात प्रबंधन के लिये गत दिनों हुई यातायात संबंधी बैठक में लिए गए निर्णयों का क्रियान्वयन तेजी के साथ किया जाए। मोतीमहल के वैकल्पिक मार्ग से यातायात प्रारंभ हो गया है। लेकिन मार्ग के छोटे-छोटे कार्य भी नगर निगम पूर्ण कराए।

सम्पर्क व कॉल का समय 11 से 4 बजे तक ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ रैरा रजिस्टर्ड फर्म

सौम्या प्रॉपर्टी डीलर

आवासीय, कॉमर्शियल, इन्डस्ट्रीयल, एग्रीकल्चर भूमि खरीदने, बेचने व रेन्ट (किराये) पर लेने, निवेश के लिये एवं प्रॉपर्टी व्यवसाय से जुड़ने के लिये भी सम्पर्क करें :-

9301759475, 9713253992

ऑफिस : शॉप नं. 3-4, तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल

Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478